

ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव-2026 में हुआ छह देशों की सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन

नवप्रदेश/भोपाल।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता-2026 के अंतर्गत संस्कृति मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा गुरुवार को रवौंद भवन, भोपाल में ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव-2026 आयोजित किया गया।

ब्रिक्स सांस्कृतिक कार्य समूह की तीसरी बैठक के दूसरे दिन आयोजित इस महोत्सव में ब्रिक्स सदस्य एवं शामिल देशों के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से विभिन्न देशों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचय कराया और

सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी सहयोग की भावना को सशक्त बनाया। महोत्सव का आयोजन सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना पर आधारित था, जो सार्वभौमिक शांति, सद्भाव और सामूहिक कल्याण के भारत के सभ्यतागत दर्शन को अभिव्यक्त करता है। यह आयोजन भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता-2026 की थीम लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और निरंतरता के लिए निर्माण के अनुरूप विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और जन-जन के आपसी संबंधों को सुदृढ़



बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिभागी देशों

शामिल होकर वैश्विक एकता और सांस्कृतिक सौहार्द का परिचय दिया। बेलारूस के गेनाडी त्सितोविच नेशनल एकेडमिक लोक कॉयार ऑफ द रिपब्लिक ऑफ बेलारूस के कलाकारों ने पारंपरिक बेलारूसी लोकगीतों और हास्य लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी।

ब्राजील की ओर से एफ्रो-ब्राजीलियाई सांस्कृतिक परंपरा 'कैपोएरा' का प्रदर्शन किया गया। इस प्रस्तुति में मार्शल आर्ट, नृत्य, संगीत और एक्रोबैटिक कलाओं का अ नूटा सं गम देखने को मिला।

इंडोनेशिया के कलाकारों ने

पारंपरिक बालीनीज स्वागत नृत्य 'पुण्यांजलि' प्रस्तुत किया। इसके साथ ही प्रबंवन मंदिर से प्रेरित प्रसिद्ध जावानीस नृत्य-नाटिका द लीजेंड ऑफ रोरो जोंगरंग का मंचन किया।

रूसी संघ के नेशनल एकेडमिक लोक इंस्ट्रुमेंट्स ऑर्केस्ट्रा ऑफ रूस के एकल कलाकारों ने बालालाइका, बायान, ऑल्टो डेमरा और कॉन्ट्राबास बालालाइका जैसे पारंपरिक रूसी वाद्ययंत्रों पर संगीतमय प्रस्तुति दी। संयुक्त अरब अमीरात के प्रसिद्ध संगीतकार सैफ अल-अली ने समकालीन प्रभावों के साथ अमीराती

और अरब संगीत परंपराओं की प्रस्तुति दी।

भारत की ओर से मारू रंग - राजस्थान की विरासत कार्यक्रम प्रस्तुत कि या गया। इसमें घूमर, चरी, कालबेलिया और भवाई जैसे लोकनृत्यों के माध्यम से राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम का समापन ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ, जिसमें सभी देशों के कलाकार एक मंच पर आए और सांस्कृतिक एकता, आपसी सम्मान और वैश्विक सद्भाव का संदेश दिया।

आज बेबाक

सही बात है। हर नेता पीएम मोदी जैसा सहनशील नहीं होता। जो गंदी- गंदी गाली देने वालों को माफ कर दे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय जोसेफ ने अपनी महिला मित्र पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले उदयनिधि स्टालिन को पुलिस से घसीटाटा कर उठवा लिया। आधा दर्जन धाराओं में अपराध दर्ज करा दिया। यह वही पेंगुइन है जो अपने बाप के मुख्यमंत्री रहते सनातन धर्म को बीमारी बताता था। उसने सोचा अब वो नेता प्रतिपक्ष है इसलिए जो मुंह में आए बक देगा और उसका कुछ नहीं बिगड़ेगा लेकिन नये सीएम ने इस बीमारी का इलाज कर सारी हेकड़ी निकाल दी।

विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना का दावा गलत : नायडू

नई दिल्ली (वार्ता)। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू ने विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना के दावों को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा है कि ऐसी बातों से हवाई यात्रियों में अनावश्यक चिंता पैदा होती है। श्री नायडू ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह दावा पूरी तरह से झूठ और गैर-जिम्मेदाराना है कि सरकार की विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी भी योजना का प्रस्ताव नहीं है। उल्लेखनीय है कि मीडिया में इस तरह की खबरें आयी थीं कि सरकार ने विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की अनुमति दे दी है।



मानसून सत्र: विपक्ष देश के 140 करोड़ लोगों के मुद्दे उठा रहा, सरकार चर्चा से भाग रही

पीएम-गृहमंत्री सदन में बयान दें : खरगे

नई दिल्ली/वार्ता। संसद में गृह मंत्री अमित शाह को बुलाने की विपक्ष की मांग लगातार जारी है। गुरुवार को राज्यसभा में सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को निर्देश दिया कि वे विपक्ष की भावना गृह मंत्री तक पहुंचाएं। प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को सदन में आकर बयान देने का अनुरोध किया, जिस पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली।

नेता प्रतिपक्ष खरगे की मांग: नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन में कहा कि विपक्ष देश के 140 करोड़ लोगों के मुद्दे उठा रहा है और सरकार चर्चा से भाग रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से सदन में आकर बयान देने की मांग की।

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू की आपत्ति: संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने खरगे के अनुरोध पर आपत्ति जताते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष सदन को अपने हिसाब से नहीं चला सकते और वे यह तय नहीं कर सकते कि किस मंत्री को किस दिन सदन में आना चाहिए।

सभापति का हस्तक्षेप: सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने स्पष्ट किया कि खरगे ने कोई



विधेयक पारित: पीठासीन सभापति संध्या राय ने हंगामे के बीच ही पित मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 'कराधान और अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026' को ध्वनिमत से पारित कराने की प्रक्रिया पूरी की। सदस्यों द्वारा लगातार हंगामा जारी रखने के कारण पीठासीन अधिकारी ने सदन की कार्यवाही को पहले दोपहर 2 बजे और बाद में हालात न सुधरने पर शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

आदेश नहीं बल्कि केवल आसन के जरिए अनुरोध किया है। इसके साथ ही उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू से कहा कि वे विपक्ष की इस भावना को गृह मंत्री तक पहुंचाएं, जिस पर रिजिजू ने आश्वासन दिया कि वे यह बात पहुंचा देंगे। हंगामे और नारेबाजी के बीच सभापति ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12:30 बजे से बड़ाकर अपराह्न 2:15 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

तरुण तेजपाल को 2013 रेप केस में 10 साल की सजा

नई दिल्ली/वार्ता। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को सीनियर पत्रकार तरुण तेजपाल को 2013 के चर्चित रेप केस में 10 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने मापुसा सेशन कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया है, जिसमें मई 2021 में उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था।

यह है पूरा मामला नवंबर 2013 में 'तहलका' मैगजीन के तत्कालीन एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल पर गोवा के एक होटल में उनकी जूनियर सहयोगी ने यौन उत्पीड़न और रेप का आरोप लगाया था। घटना के बाद तेजपाल ने ईमेल भेजकर पीड़िता से बिना शर्त माफी भी मांगी थी। हाईकोर्ट



वेनेजुएला समेत अमेरिका का दुनिया के 60 फीसदी तेल पर नियंत्रण: ट्रंप

वॉशिंगटन (स्फुतनिक/वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का दुनिया के 60 प्रतिशत तेल पर कंट्रोल है, जिसमें वेनेजुएला के रिसोर्स को भी अमेरिकी क्षमता का हिस्सा माना गया है। लास वेगास में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए श्री ट्रंप ने कहा, हमारे पास दुनिया के किसी भी देश की तुलना में ज्यादा तेल और गैस है। अब इसमें वेनेजुएला को भी जोड़ लें। हमारे पास दुनिया का 60 प्रतिशत तेल और गैस है। अमेरिका ने 3 जनवरी को वेनेजुएला में एक बड़े पैमाने पर

ऑपरेशन शुरू किया, जिसके दौरान निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिल्विया फ्लोरेस को हिरासत में लेकर न्यूयॉर्क ले जाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन पर नाकॉ-टेररिज्म (नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ा आतंकवाद) में शामिल होने के आरोपों के लिए मुकदमा चलाया जाएगा। मादुरो और फ्लोरेस ने न्यूयॉर्क की अदालत में आरोपों से इनकार किया। मादुरो को गिरफ्तारी के बाद, वेनेजुएला के सुप्रीम कोर्ट ने अस्थायी रूप से राष्ट्रपति पद का कार्यभार उपराष्ट्रपति रोड्रिगज को सौंप दिया।

संसद ठप होने पर चिंता



बार-बार सदन के बाधित होने पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि इससे देश में गलत संदेश जा रहा है कि विपक्ष सदन चलाान नहीं चाहता। संसद न चलने से अंततः जनता का ही नुकसान होता है।

वेनेजुएला समेत अमेरिका का दुनिया के 60 फीसदी तेल पर नियंत्रण: ट्रंप

वॉशिंगटन (स्फुतनिक/वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का दुनिया के 60 प्रतिशत तेल पर कंट्रोल है, जिसमें वेनेजुएला के रिसोर्स को भी अमेरिकी क्षमता का हिस्सा माना गया है। लास वेगास में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए श्री ट्रंप ने कहा, हमारे पास दुनिया के किसी भी देश की तुलना में ज्यादा तेल और गैस है। अब इसमें वेनेजुएला को भी जोड़ लें। हमारे पास दुनिया का 60 प्रतिशत तेल और गैस है। अमेरिका ने 3 जनवरी को वेनेजुएला में एक बड़े पैमाने पर

रिजिजू की राहुल गांधी से मुलाकात, राजनीतिक मतभेद हैं, पर देशहित में संसद चलना जरूरी

संसद के मानसून सत्र में लगातार जारी हंगामे और गतिरोध के बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की है। इस मुलाकात को 'सकारात्मक' बताते हुए रिजिजू ने कहा कि सरकार विपक्ष के साथ निरंतर संवाद और बेहतर समन्वय

संसद ठप होने पर चिंता

राहुल गांधी के साथ एक विशेष मुद्दे और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीतिक विरोध का मतलब दुश्मनी नहीं होता। राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए।

लगे। गृह मंत्री के बयान और राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच

23,731 करोड़ की 'गोबरधन' योजना को मंजूरी

न केन्द्रीय कैबिनेट: देश में संपीड़ित बायोगैस क्षेत्र को बढ़ावा देने बनी योजना

नई दिल्ली/ए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 23,731 करोड़ रुपये की लागत वाली राष्ट्रीय सर्कुलर बायोएनर्जी योजना 'गोबरधन' को मंजूरी दे दी है। इस योजना का उद्देश्य कृषि अवशेष, गोबर, शहरी जैविक कचरे और अन्य बायोमास संसाधनों को संपीड़ित बायोगैस, जैविक खाद और ग्रामीण आय के स्रोत में बदलना है। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 तक लागू रहेगी और भारत की ऊर्जा व्यवस्था में संपीड़ित बायोगैस को एक प्रमुख स्तंभ के रूप में स्थापित करेगी।

डीपफेक पर सरकार का शिकंजा मजबूत, अब लेबलिंग अनिवार्य

नई दिल्ली/ए। केंद्र सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार डीपफेक और अन्य कृत्रिम रूप से उत्पन्न सामग्री से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए नियामक ढांचे को मजबूत किया है। आईटी नियमों में किए गए हालिया संशोधनों के तहत एआई-जनित सामग्री को स्पष्ट लेबलिंग और पता लगाने योग्य मेथाडेटा सुनिश्चित करना अनिवार्य किया गया है। साथ ही, सरकार या अदालत के आदेश के आधार पर गैरकानूनी सामग्री हटाने की समयसीमा 36 घंटे से घटाकर तीन घंटे कर दी गई है। यह जानकारी केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं जितितन प्रसाद ने 5 अगस्त 2026 को लोकसभा में दी।



डीपफेक के खतरों पर सरकार की नजर

सरकार ने कहा कि वह एआई से संचालित डीपफेक से पैदा होने वाले खतरों के प्रति सचेत है। इसमें कृत्रिम ऑडियो, वीडियो और लिखित सामग्री शामिल है। सरकार का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के लिए खुला, सुरक्षित, विश्वसनीय और जवाबदेह साइबरस्पेस सुनिश्चित करना है। इसी दिशा में मौजूदा कानूनों और नियमों के जरिए डीपफेक के विभिन्न पहलुओं से निपटने की व्यवस्था की गई है।

आईटी अधिनियम में कई प्रावधान

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत कंप्यूटर और कम्प्यूटर सिस्टम को नुकसान पहुंचाने, कम्प्यूटर संबंधी अपराध, पहचान की चोरी, प्रतिकारण और निजता के उल्लंघन जैसे अपराधों के खिलाफ दंड का प्रावधान है। अश्लील या यौन रूप से स्पष्ट सामग्री के प्रकाशन और प्रसारण पर भी कार्रवाई की जा सकती है। अधिनियम की धारा 69ए के तहत विशिष्ट सूचना या लिंक तक पहुंच को अवरुद्ध करने और धारा 79 के तहत गैरकानूनी गतिविधियों में इस्तेमाल की जा रही जानकारी को हटाने की व्यवस्था है।

बीएनएस में भी कार्रवाई का प्रावधान

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 में भी डीपफेक से जुड़े अपराधों पर कार्रवाई के प्रावधान हैं। धारा 319 के तहत प्रतिकारण के जरिए धोखाधड़ी, जबकि धारा 336 के तहत धोखाधड़ी और किसी व्यक्ति को धोखा देने या उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से झूठे इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तैयार करने पर कार्रवाई की जा सकती है। धारा 353 गलत या भ्रामक बयान, अप्रामाद और रिपोर्ट के जरिए दुष्प्रचार फैलाने पर अंकुश लगाती है।



किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा लाभ

सरकार के अनुसार, यह योजना किसानों, सहकारी समितियों, पीडएफ्टों आपूर्तिकर्ताओं और ग्रामीण उद्यमियों के लिए आय के नए अवसर पैदा करेगी। साथ ही कृषि अवशेष, गोबर और शहरी जैविक कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन

में कमी आएगी और जैविक खाद के उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार का कहना है कि गोबरधन योजना ऊर्जा सुरक्षा, 'वेस्ट टू रैबल', आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्य को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

स्थानीय स्तर पर हजारों युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर होंगे सृजित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की गरिमामयी उपस्थिति में मप्र पर्यटन बोर्ड और टाटा स्ट्राइव के मध्य हुआ एमओयू

नवप्रदेश/भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और टाटा स्ट्राइव के मध्य 2 वर्ष की अवधि के लिए एक महत्वपूर्ण एमओयू निष्पादित किया गया है। इसे आवश्यकतानुसार पारस्परिक सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा। एमओयू पर मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से डायरेक्टर (कोशल) डी.पी. सिंह और टाटा स्ट्राइव की ओर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमेया वंजारी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सचिव



पर्यटन एवं प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैयारा टी उपस्थित रहे। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण होमस्टे संचालकों की आय में

अवसर निर्मित करना है। साझेदारी के प्राथमिक हितग्राही ग्रामीण होम-स्टे संचालक, स्थानीय युवा और पर्यटन सेवा प्रदाता होंगे। इस समझौते से पर्यटन निगम के होटलों और निजी क्षेत्र के अन्य होटलों के लिए कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाएगा। एमओयू से स्थानीय स्तर पर हजारों युवाओं को आतिथ्य एवं पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार व स्वरोजगार निर्मित करने में मदद मिलेगी। इससे प्रदेश का ग्रामीण पर्यटन इको सिस्टम और अधिक मजबूत होगा।

एमओयू के प्रथम चरण में ग्रामीण पर्यटन एवं होम-स्टे इको सिस्टम के लगभग 1,000 हितग्राहियों को पूर्व अधिगम की मान्यता और अपस्किंग (कौशल उन्नयन) का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके तहत होम-स्टे संचालन, डिजिटल बुकिंग व ओटीए प्लेटफॉर्मस का उपयोग, फंड ऑफिस, हाउसकीपिंग, स्थानीय व्यंजन, फूड एंड बेक्रेज, गार्डिंग, सुरक्षा, स्वच्छता, सतत पर्यटन और राजस्व प्रबंधन जैसे व्यावहारिक विषयों को शामिल किया गया है।

6 नए जिलों में खेल अधिकारियों के पदों को मंजूरी

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन ने खेल गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए 6 नए जिलों गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी, सारगढ़-बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिर-भरतपुर और अस्सी में खेल अधिकारी के नए पदों को मंजूरी दी है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा मंत्रालय से विगत 4 अगस्त को इन पदों की मंजूरी के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

अतीक के बेटे की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

झांसी जेल जा रहे थे भाई से मिलने

प्रयागराज/ए। अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान (21) की एक भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई है। यह हादसा गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे झांसी से 70 किलोमीटर पहले पूछ थाना क्षेत्र में हुआ। अबान अपनी क्रेटा कार में चार दोस्तों के साथ प्रयागराज से झांसी जेल में बंद अपने बड़े भाई अली से मिलने जा रहा था। तेज रफ्तार क्रेटा कार हाईवे पर अचानक डिव्हाइडर से टकरा गई, जिससे वह हवा में उछल गई और उसका अगला



हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। इस दर्दनाक हादसे में अबान और उसके दोस्त सोनू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार अवन तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के वक्त कार बेकाबू होने से पहले अबान के आखिरी शब्द मुझे बचा लो थे।



मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही

विगत 10 दिनों में प्रदेश में 2 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जप्त

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0+' के साथ-साथ मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाहियों की जा रही हैं। इसी क्रम में विगत10 दिनों के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस ने कार्रवाई कर 2 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जप्त करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रमुख कार्यवाहियां

नीमच
पुलिस द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगातार प्रभावी कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 65 लाख 72 हजार रुपये से अधिक मूल्य के मादक

पदार्थ जप्त किए गए। इस दौरान 835 किलो 084 ग्राम डोडाचूरा, 3 किलो 670 ग्राम अफीम तथा 220 ग्राम एमडी सहित देशी पिस्टल, जिंदा कारतूस एवं तस्करी में प्रयुक्त दो वाहन जबर्त किए गए। विभिन्न प्रकरणों में 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

राजगढ़
थाना कुरावर पुलिस ने 75 किलोग्राम से अधिक गांजा एवं परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो पिकअप वाहन जप्त कर राजस्थान के दो अंतर्राज्यीय तस्करो को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में लगभग 15लाख 50हजार रूपए की संपत्ति जप्त की है।

रतलाम
थाना बरखेड़ाकला पुलिस ने



147 ग्राम एमडीएमए, 2 किलो104ग्राम डोडाचूरा एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में लगभग 15 लाख 51हजार रुपये से अधिक की संपत्ति जप्त की है।

मंदसौर
जिले में थाना भानपुरा, सीताऊ एवं अफजलपुर पुलिस द्वारा की गई अलग-अलग कार्रवाइयों में लगभग 15 लाख 74 हजार रुपये मूल्य के मादक पदार्थ एवं संपत्ति जप्त की गई। कार्रवाई के दौरान 336किलो 840 ग्राम डोडाचूरा, 230 ग्राम

एमडीएमए, एक स्विफ्ट कार, ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

खालियर
थाना इंंदरगंज एवं टेकनपुर चौकी पुलिस ने कार्रवाई कर 57 किलो273ग्राम अवैध गांजा तथा

परिवहन में प्रयुक्त मारुति ऑल्टो कार जप्त की गई। दोनों प्रकरणों में चार आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए लगभग 10 लाख 70हजार रूपए की संपत्ति जप्त की है।

कटनी
जिले के थाना स्लीमनाबाद एवं रंगनाथनगर पुलिस नेअलग-अलग कार्रवाई में 20किलो548ग्राम गांजा तथा 9 हजार नाइट्राजेपाम (Nitrazepam) टेबलेट जप्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए लगभग 4लाख 35हजार रुपये से अधिक की संपत्ति जप्त की है।

नरसिंहपुर
थाना ठेमी पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन इंगलक्लो' के तहत कार्रवाई कर11.30 ग्राम स्मैक

जप्त कर लगभग 1 लाख 30 हजार रुपये मूल्य का मादक पदार्थ एवं संपत्ति जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

भोपाल
क्राइम ब्रांच ने 15.030 किलोग्राम गांजा एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में लगभग 3 लाख 6 हजार रुपये मूल्य के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जप्त की गई। वहीं थाना शाहपुरा पुलिस ने 534 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना अयोध्यानगर पुलिस ने 3 ग्राम एम.डी. ड्रम्स, एक मारुति इग्निस कार एवं दो मोबाइल फोन जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में लगभग 6 लाख 50 हजार रुपये मूल्य के

मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जप्त की गई। इसी प्रकार क्राइम ब्रांच ने एक अन्य कार्रवाई में 24.130 किलोग्राम गांजा, स्विफ्ट डिजायर कार एवं तीन मोबाइल फोन जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। सभी मामलों में आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े नेटवर्क की विस्तृत जांच की जा रही है।

इंदौर
इंदौर पुलिस के थाना हीरानगर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए 10.28 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 1 लाख 30 हजार रुपये मूल्य की ब्राउन शुगर जप्त की है।

न्यूज गैलरी

निर्वाचन कार्यों में छोटी सी लापरवाही अविश्वास का बन जाती है कारण : राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव



उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स की हुई प्रशिक्षण कार्यशाला

भोपाल/नवप्रदेश। निर्वाचन कार्यों में छोटी सी लापरवाही अविश्वास का कारण बन जाती है। अतः प्रशिक्षण कार्यशाला में अपनी सभी शंकाओं का समुचित समाधान करें और अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दें। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने यह बातें उप जिला निर्वाचन अधिकारियों और मास्टर ट्रेनर्स की राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला में कही।

स्थानीय निकाय के निर्वाचन अधिक संवेदनशील

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव ने कहा कि स्थानीय निकायों के निर्वाचन तुलनात्मक रूप से अधिक संवेदनशील होते हैं। आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। निर्वाचन प्रक्रियाओं की नवीनतम तकनीकों को अपनाने के साथ ही इस बात पर विशेष ध्यान दें कि इन तकनीकों पर मतदाताओं का पूरा विश्वास कायम रहे। मतदान की पवित्रता को मतदाता हमेशा याद रखता है।

वेबकास्टिंग करने पर विचार

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मतदान की प्रक्रिया की वेबकास्टिंग करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईव्हीएम के माध्यम से मतदान एक साथ कराने पर भी गहन विचार-विमर्श किया जा रहा है। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि सहयोगात्मक संवाद की भावना के अनुरूप किराये पर मध्यप्रदेश, त्रिपुरा, सिक्किम, महाराष्ट्र और राजस्थान में स्थानीय निकायों के निर्वाचन के लिये ईव्हीएम उपलब्ध करायी गयी हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि स्थानीय निर्वाचन लोकतंत्र की प्रयोगशाला हैं। मध्यप्रदेश में स्थानीय निकायों के निर्वाचन में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने के साथ ही अन्य कई प्रयोग किये गये हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्फिडेंस नीचे तक पहुँचना चाहिए। इससे कार्य में सुगमता आती है। मतदान के दौरान ऐप के माध्यम से रियल टाइम रिपोर्टिंग करें।

राज्य निर्वाचन आयोग नवाचारों में अग्रणी

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दिनेश श्रीवास्तव ने कहा कि मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग नवाचारों में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि इस बात का ध्यान रखें कि निर्वाचन में छोटी सी त्रुटि भी क्षम्य नहीं है। प्रशिक्षण को गंभीरता से लें। कार्यशाला में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री पी. एन. सनेसर ने डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन मैनेजमेंट प्लान, सुश्री समीरा नईम ने इलेक्शन रिजल्ट, डॉ संजय गांगे ने ईव्हीएम रेगुलमंड्रेशन, डॉ. महेश अग्रवाल ने आईपी बीएमएस और आयोग के विधिक सलाहकार डॉ. प्रदीप शुक्ला ने वय्य लेखा एवं आदर्श आचरण संहिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उप सचिव संजू कुमारी ने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में बताया। इस दौरान राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव मनोज मालवीय, सतीश शाक्य सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश में सृजन संवाद अभियान का शुभारंभ

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 14 जुलाई 2026 को रवीन्द्र भवन, भोपाल में 'सृजन संवाद' योजना एवं इसकी प्रशिक्षण पुस्तक का औपचारिक शुभारंभ किए जाने के उपरान्त मध्यप्रदेश पुलिस, स्कूल शिक्षा विभाग तथा UNFPA के संयुक्त प्रयास से इस महत्वाकांक्षी सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम का राज्यव्यापी क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया गया है। 5 अगस्त 2026 से प्रदेशभर में अभियान के प्रथम चरण की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों में कानून के प्रति जागरूकता, पुलिस की भूमिका एवं कार्यप्रणाली की समझ, साइबर एवं सामाजिक सुरक्षा, सैवैधानिक मूल्यों तथा जिम्मेदार नागरिक कर्तव्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है। सामुदायिक पुलिसिंग शाखा द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी जिलों में पुलिस अधिकारियों द्वारा जिला मुख्यालय के चयनित पीएम श्री, सांदीपनि अथवा एक्ससेलेंस विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भोपाल में भव्य रूप से मनाया गया सीएससी दिवस 2026

सीएससी आज ग्रामीण भारत के डिजिटल परिवर्तन का एक मजबूत आधार बन चुका है : मंत्री सारंग

भोपाल/नवप्रदेश। सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड, मध्यप्रदेश द्वारा आज नरोन्हा प्रशासन अकादमी, शाहपुरा, भोपाल में 'सीएससी दिवस 2026+' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े तथा प्रदेशभर से उपस्थित ग्राम स्तरीय उद्यमियों को संबोधित किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सीएससी आज ग्रामीण भारत के डिजिटल परिवर्तन का एक मजबूत आधार बन चुका है। उन्होंने कहा कि देशभर में एक लाख से अधिक ग्राम स्तरीय उद्यमी नागरिकों तक विभिन्न सरकारी एवं डिजिटल सेवाएँ पहुँचा रहे हैं। भारत सरकार एवं राज्य सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीएससी नेटवर्क के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तरीय उद्यमी केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि डिजिटल इंडिया अभियान के सच्चे भागीदार हैं, जो गांव-गांव तक



सुशासन एवं डिजिटल सेवाओं को सशक्त बना रहे हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ग्राम स्तरीय उद्यमियों की सराहना करते हुए कहा कि सीएससी नेटवर्क शासन और आमजन के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी उद्यमियों से नागरिकों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं डिजिटल सेवाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

के एजीएम श्री हरि सिंह, एसएलबीसी के एजीएम श्री पंकज कुमार तथा पंजाब नेशनल बैंक के सर्किल हेड श्री धीरेन्द्र कुमार झा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बैंकिंग सेवाओं के विस्तार, वित्तीय समावेशन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने में सीएससी की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने सीएससी के साथ कार्य करने के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ग्राम स्तरीय उद्यमियों ने बैंकिंग सेवाओं को अंतिम छोर तक पहुँचाने में उल्लेखनीय

योगदान दिया है।

मौडिया प्रभारी

सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड ने बताया कि कार्यक्रम में सीएससी की ओर से राज्य प्रमुख श्री अतुलित राय, वरिष्ठ प्रबंधक श्री अनुराग सिंह, श्री रवि सिंह, श्री संजय नगरीय, श्री संकल्प सोनी, श्री प्रतीक शर्मा, श्री रवि शंकर मिश्रा, श्री सागर गुप्ता एवं श्री सुमित वर्मन उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने सीएससी की उपलब्धियों, डिजिटल इंडिया अभियान में उसकी भूमिका तथा भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रश्न डाला। उन्होंने ग्राम स्तरीय उद्यमियों के समर्पण, सेवा भावना एवं उच्छ्रेष्ठ कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित किया।

इनको किया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान प्रदेशभर से आए ग्राम स्तरीय उद्यमियों श्री जितेंद्र कालाभूत, श्री आसिफ सिद्दीकी, श्री धरमदास केवट, श्री प्रदीप धाकड़, श्री वंदना तिवारी, श्री अवध शर्मा, सुश्री संतोषी कुशवाहा, सुश्री कविता कुशवाहा, सुश्री शालू अग्रवाल, सुश्री ज्योति कुशवाहा एवं सुश्री मोनिका

सिंह को मंत्री श्री सारंग द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं के विस्तार, जन-कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा नागरिकों को उच्छ्रेष्ठ सेवाएँ प्रदान करने में किए जा रहे उच्छ्रेष्ठ योगदान की सराहना की गई। सम्मान प्राप्त करने वाले ग्राम स्तरीय उद्यमियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ नागरिकों तक सरकारी एवं डिजिटल सेवाएँ पहुँचाने का कार्य करते रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान सीएससी द्वारा संचालित डिजिटल सेवाओं, बैंकिंग एवं वित्तीय समावेशन, बीमा, पेंशन, स्वास्थ्य सेवाओं, टेलीमेडिसिन, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि सेवाओं तथा अन्य जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई। वक्ताओं ने कहा कि सीएससी आज ग्रामीण भारत में डिजिटल क्रांति का सबसे सशक्त माध्यम बनकर उभरा है और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

भोपाल के रानीकमलपति रेलवे स्टेशन पर कचरा प्रबंधन में लापरवाही : एनजीटी ने फटकार लगाई संयुक्त समिति ने निरीक्षण में बताई थी खामियां

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर कचरा प्रबंधन में लापरवाही सामने आई है। इसे लेकर नेशनल ग्रीन ट्रुब्लन (एनजीटी) ने फटकार लगाई है। संयुक्त जांच समिति ने निरीक्षण में कई खामियां बताई थीं। एनजीटी ने स्टेशन पर ठोस कचरा प्रबंधन में लापरवाही पर सख्त निर्देश दिए हैं। कचरा प्रबंधन से जुड़े एक मामले को एनजीटी ने स्वतन्त्र संज्ञान में लिया था। प्रकरण की सुनवाई न्यायमूर्ति शिव कुमार सिंह, न्यायिक सस्स्थ सुधीर कुमार चतुर्वेदी ने की। एनजीटी ने संयुक्त समिति की रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए पाया कि निरीक्षण के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में कुछ स्थानों पर ठोस कचरे का संचय, पटरियों के किनारे कचरे की मौजूदगी और कचरा भंडारण क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता सामने आई। समिति ने यह भी बताया कि रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से संबंधित कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। इस पर बैंच ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का प्रभावी पालन आवश्यक है और पर्यावरण संरक्षण एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की है।



भोपाल मेट्रो अब हर संडे 15 मिनट में मिलेगी : रविवार और सार्वजनिक अवकाश पर 1 घंटे ज्यादा चलेगी

भोपाल/नवप्रदेश।

भोपाल मेट्रो अब हर संडे को 15 मिनट में यात्रियों को मिलेगी। रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिन मेट्रो 1 घंटा ज्यादा चलेगी। रात 8.30 बजे तक लोग मेट्रो में सफर कर सकेंगे। यात्रियों की सुविधा को और अधिक बढ़ाते हुए मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने भोपाल मेट्रो के संचालन का विस्तार किया है। नई व्यवस्था के अनुसार रविवार एवं सार्वजनिक अवकाश के दिन सुभाष नगर स्टेशन से एम्स के लिए अंतिम मेट्रो शाम 7.30 बजे और एम्स स्टेशन से सुभाष नगर के लिए अंतिम मेट्रो रात 8 बजे खाना होगी। 30 मिनट के अंदर मेट्रो पहुंच जाएगा। ऐसे में रात सा? आठ बजे तक मेट्रो का



लुफ्त उठ सकेंगे। इससे यात्रियों को कम प्रतीक्षा समय के साथ शाम के समय भी अधिक सुविधाजनक मेट्रो सेवा उपलब्ध होगी।

अन्य सभी कार्य दिवस में मेट्रो का संचालन पूर्ववत रहेगा। इन दिनों भी पीक आवर्स (सुबह 9 से 10.30 बजे तक और शाम 5.30 से शाम 7 बजे तक) में

यात्रियों को हर 15 मिनट के अंतराल पर मेट्रो सेवा उपलब्ध रहेगी, जबकि नॉन पीक आवर्स (सुबह 10.30 से शाम 5.30 बजे तक) में पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार मेट्रो का संचालन किया जाएगा।

सिंगलिंग सिस्टम की वजह से टाइमिंग बढ़ाई

कांग्रेसियों ने भोपाल नगर निगम दफ्तर घेरा, पुतला फूँका

पूर्व मंत्री बोले-25 साल से बिना मास्टर प्लान के शहर; मिक्स लैंड यूज लागू हो

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के लिंक रोड नंबर-2 स्थित नगर निगम दफ्तर का गुरुवार को कांग्रेसियों ने घेराव किया। वहीं, मुख्य गेट पर निगम का पुतला फूँका। पूर्व मंत्री पोसी शर्मा ने कहा कि भोपाल 25 साल से बिना मास्टर प्लान के है। सरकार तुरंत मास्टर प्लान लागू करें और व्यापारियों को राहत दें। पार्श्व योगेंद्र सिंह गुड़ू चौहान ने सवाल उठाया कि जब अरेरा कॉलोनी, 10 नंबर, बावडियाकलां समेत पूरे शहर में



आवासीय भवनों में व्यवसायिक एक्टिविटी नहीं हो सकती तो फिर नगर

निगम सालों से कमर्शियल टैक्स क्यों वसूल रहा है? दोपहर 1:30 बजे निगम

मुख्यालय का घेराव करने पहुंचे कांग्रेसियों ने जमकर नारेबाजी की। करीब पौन घंटे तक प्रदर्शन किया गया। पूर्व मंत्री शर्मा ने कहा कि भोपाल में आवासीय भवनों के व्यावसायिक उपयोग और अवैध निर्माण के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कल, बुधवार को सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश सरकार को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा गठित 10 सदस्यीय जांच समिति की कार्यवाही पर रोक भी लगा दी। इस मामले में नगर निगम बेहतर तरीके से अपना पक्ष नहीं रख सका। अब निगम प्रतिष्ठानों की तालाबंदी करेगी, जबकि कोर्ट की गलती की वजह से ऐसा हुआ है। दूसरी ओर, 25 साल से सरकार भोपाल का मास्टर प्लान नहीं ला सकी है।

कांग्रेस की 15 महीने की सरकार के दौरान मास्टर प्लान अंतिम दौर में पहुंच गया था। यदि एक महीने सरकार और रहती तो मास्टर प्लान लागू हो जाता। सकार और निगम की गलती का खर्चायाज व्यापारियों को भुगताना प? रहा है। इसलिए सरकार जल्दी मास्टर प्लान लागू करें। वहीं, तत्काल राहत देने के लिए मिक्स लैंड यूज व्यवस्था लागू की जाए। कांग्रेस पार्श्व गुड़ू चौहान ने कहा कि निगम सालों से दुकानदारों से कमर्शियल टैक्स वसूल रहा है। जब नियम ही नहीं है तो निगम ऐसे कैसे कर सकता है? इसलिए निगम तुरंत व्यापारियों को कमर्शियल टैक्स की राशि वापस करें।



भारतीय रेल ने लाइसेंसिंग व्यवस्था को बनाया सरल, एक लाइसेंस से सभी मार्गों पर परिचालन

अलग-अलग पंजीकरण शुल्क लेने की मौजूदा व्यवस्था खत्म

बिलासपुर/नवप्रदेश। भारतीय रेल ने भारतीय रेल नेटवर्क पर कंटेनर ट्रेनों के परिचालन के लिए ऑपरेटरों को अनुमति देने संबंधी मॉडल कन्सेशन एग्रीमेंट (एमसीए) में संशोधनों को मंजूरी दी है। स्वीकृत संशोधनों के तहत अब कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों (सीटीओ) को अलग-अलग मार्ग श्रेणियों के लिए पृथक अनुमति और शुल्क की मौजूदा व्यवस्था के स्थान पर 25 करोड़ रुपए के एकसमान पंजीकरण शुल्क के साथ सिंगल ऑल इंडिया लाइसेंस के आधार पर भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर कंटेनर ट्रेनों का परिचालन करने की अनुमति होगी। इन संशोधनों को राजपत्र



अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया जाएगा।

स्वीकृत संशोधनों के तहत लाइसेंस की वर्तमान मार्ग-वार श्रेणीकरण व्यवस्था समाप्त कर दी जाएगी। रेल मंत्रालय की स्वीकृति के अधीन, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों

को सिंगल ऑल इंडिया लाइसेंस प्रदान किया जाएगा, जिससे वे भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर कंटेनर ट्रेनों का परिचालन कर सकेंगे। विभिन्न मार्ग श्रेणियों के लिए अलग-अलग पंजीकरण शुल्क लेने की मौजूदा व्यवस्था समाप्त कर दी गई

है। अब प्रत्येक आवेदक को भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर परिचालन के लिए 25 करोड़ रुपये का अप्रतिदेय एकसमान पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा। एक समान पंजीकरण शुल्क तथा लाइसेंस विस्तार शुल्क समाप्त किए जाने से ऑपरेटरों के नियामकीय एवं अनुपालन संबंधी खर्चों में कमी आएगी तथा अनुमोदन प्रक्रिया सरल होगी। सरल लाइसेंसिंग व्यवस्था से निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा तथा कंटेनर ट्रेन परिचालन का विस्तार होगा, जिससे देशभर में रेल आधारित माल परिवहन को प्रोत्साहन मिलेगा।

ऑपरेटरों को राहत

कैटेगरी-1 लाइसेंसधारी ऑपरेटर अपनी वर्तमान श्रेणी के अंतर्गत अपनी कन्सेशन अवधि समाप्त होने तक परिचालन जारी रख सकेंगे। नई लाइसेंस व्यवस्था के तहत नवीनीकरण या विस्तार के समय उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। कैटेगरी- 2, 3 और 6 के ऑपरेटर भी अपनी वर्तमान श्रेणियों के अंतर्गत अपनी कन्सेशन अवधि पूरी होने तक परिचालन जारी रख सकेंगे। नई लाइसेंस व्यवस्था के तहत

नवीनीकरण या विस्तार के लिए उन्हें 15 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। यह राशि नए 25 करोड़ रुपये के शुल्क और पहले से जमा किए गए 10 करोड़ रुपये के बीच का अंतर है। यह राशि अप्रतिदेय होगी। ये ऑपरेटर अपनी 20 वर्ष की कन्सेशन अवधि पूरी होने से पहले भी नई लाइसेंस व्यवस्था में स्थानांतरित होने का विकल्प चुन सकते हैं। ऐसी स्थिति में भी उन्हें 15 करोड़ रुपये का ही भुगतान करना होगा। स्वीकृत

संशोधनों के अनुसार, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर को दी गई अनुमति की अवधि समाप्त होने के बाद उसे आगे 20 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकेगा। यह विस्तार सक्षम प्राधिकारी द्वारा ऑपरेटर के आवेदन तथा उसके संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया जाएगा। इस विस्तार अथवा भविष्य में उसी ऑपरेटर को दिए जाने वाले किसी भी अन्य विस्तार के लिए कोई विस्तार शुल्क नहीं लिया जाएगा।

न्यूज गैलरी

आईटीआई की परीक्षाएं 17 से आज आवेदन की अंतिम तिथि
बिलासपुर/नवप्रदेश। राज्य व्यावसायिक परीक्षा (एससीबीटी) एवं हायर सेकेंडरी-आईटीआई संयुक्त अध्यापन योजना के अंतर्गत आईटीआई ट्रेड की प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक परीक्षाएं 17 अगस्त से 24 अगस्त तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षाओं के लिए पात्र प्रशिक्षार्थियों से 7 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जारी जानकारी के अनुसार परीक्षा में सत्र 2025-26 के एक वर्षीय व्यवसाय, सत्र 2025-27 के द्विवर्षीय व्यवसाय के प्रथम वर्ष तथा सत्र 2024-26 के द्विवर्षीय व्यवसाय के द्वितीय वर्ष के नियमित प्रशिक्षार्थी शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा सत्र 2023-25 के द्विवर्षीय व्यवसाय के द्वितीय वर्ष, सत्र 2024-26 के द्विवर्षीय व्यवसाय के प्रथम वर्ष, सत्र 2024-25 के एक वर्षीय एवं छह माह के व्यवसाय तथा सत्र 2023-24 के छह माह और सत्र 2022-24 के द्विवर्षीय व्यवसाय के ऐसे पूरक प्रशिक्षार्थी, जिनके प्रयास शेष हैं, भी परीक्षा के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक सभी पात्र प्रशिक्षार्थियों को 7 अगस्त तक आवेदन जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

नहर निर्माण के लिए 16.86 एकड़ भूमि अधिग्रहण की अनुशंसा

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले की बेलगहना तहसील के ग्राम लूफा में प्रस्तावित नहर निर्माण के लिए 16.86 एकड़ भूमि के अधिग्रहण की अनुशंसा की गई है। सामाजिक समाधान दल द्वारा किए गए मूल्यांकन में पाया गया कि प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण से किसी मकान या अन्य संरचना पर प्रभाव नहीं पड़ेगा और किसी भी परिवार के विस्थापन की आवश्यकता नहीं होगी। सामाजिक समाधान दल ने ग्राम लूफा में भू-अर्जन से होने वाले प्रभावों का विस्तृत आकलन किया। अध्ययन के दौरान प्रभावित किसानों से भी सहमति ली गई। मूल्यांकन में यह भी सामने आया कि प्रस्तावित परियोजना से किसी प्रकार की अधोसंरचना प्रभावित नहीं होगी और न ही विकास कार्यों में कोई बाधा उत्पन्न होगी। दल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जल संसाधन विभाग द्वारा नहर निर्माण के लिए केवल आवश्यक भूमि का ही अधिग्रहण किया जा रहा है।

दूसरी पत्नी ने दो शादी करने की शिकायत की थी दूसरी शादी के मामले में पुलिस अफसर को हाईकोर्ट से राहत

बिलासपुर/नवप्रदेश। दूसरी शादी के मामले में पुलिस अफसर के खिलाफ 15 साल बाद शुरू हुई विभागीय कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवशी की सिंगल बेंच ने वर्ष 2023 में जारी चार्जशीट को रद्द करते हुए उससे जुड़ी पूरी विभागीय कार्रवाई खत्म कर दी। कोर्ट ने कहा कि जब विभाग को वर्ष 2008 में ही दूसरी शादी की जानकारी हो गई थी, तो करीब 15 साल तक कार्रवाई नहीं करने के बाद अचानक विभागीय कार्रवाई शुरू करना उचित नहीं है।

मामला यह है कि पुलिस अधिकारी इरफान-उल-रहीम खान ने वर्ष 2007 में दूसरी शादी की थी। उन्होंने 2008 में ही विभाग को इसकी जानकारी देते हुए दूसरी शादी की अनुमति के लिए आवेदन किया था। इसके बावजूद लंबे समय तक विभाग की ओर से



कोई विभागीय कार्रवाई नहीं की गई। बाद में दूसरी पत्नी की ओर से 2017 और 2019 में शिकायतें किए जाने के बाद मामला फिर सामने आया और अंततः 14 फरवरी 2023 को अधिकारी को चार्जशीट जारी कर दी गई। अधिकारी ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि विभाग को शादी की जानकारी पहले से थी और इतनी लंबी देरी के बाद कार्रवाई शुरू करना अनुचित है। वहीं राज्य सरकार ने दावा किया कि अनुमति के लिए दिया गया आवेदन वर्ष 2013 में ही खारिज कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने इस दलील को

मानने से इनकार कर दिया, क्योंकि आवेदन खारिज किए जाने का कोई आदेश या दस्तावेज रिकॉर्ड में पेश नहीं किया गया था। उल्टा 2019 की विभागीय रिपोर्ट में आवेदन को विचाराधीन बताया गया था। कोर्ट ने कहा कि विभागीय कार्रवाई के लिए भले ही कोई तय समय-सीमा न हो, लेकिन कार्रवाई उचित समय में होनी चाहिए। करीब 15 साल की इस अस्पष्ट देरी से अधिकारी के बचाव का अधिकार भी प्रभावित हो सकता है। हाईकोर्ट ने इसे अनुचित मानते हुए चार्जशीट और उससे जुड़ी पूरी विभागीय कार्रवाई को रद्द कर दिया।

नई शिक्षा नीति: व्यावहारिक क्षमता का विकास व भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें

सीपत/नवप्रदेश। शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रथम सेमिनेटर के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन वातावरण, शैक्षणिक व्यवस्था, राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विशेषताओं तथा उपलब्ध सुविधाओं से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एस. खेर ने की।

उन्होंने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की अधोसंरचना, शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते समय और जीवनशैली की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह नीति लागू की गई है।



इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उनके कौशल, रचनात्मकता, नवाचार और व्यावहारिक क्षमता का विकास करना है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। महाविद्यालय की सांस्कृतिक प्रभारी श्वेता पंड्या ने वर्षभर आयोजित होने वाली सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से उनमें सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ.

आर. एन. पटेल, डॉ. के. वेणु आचारी एवं भूपेंद्र देवागन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत पाठ्यक्रम चयन, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट व्यवस्था, क्रेडिट प्रणाली, सीआईए (सतत आंतरिक मूल्यांकन), परीक्षा पद्धति एवं अन्य शैक्षणिक प्रावधानों की विस्तार से जानकारी देकर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम प्रसाद चन्द्रा एवं शत्रुघ्न धृतलहरे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जीवन प्रभाकर गोरे ने किया।

कार्यशाला में जीने के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया



बिलासपुर/नवप्रदेश। मैह क्षत्रिय मारवाड़ी सोनी समाज के तत्वावधान में आयोजित 'द आर्ट ऑफ़ इमोशनल रिलीज' ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन संपन्न हुआ। समाज के वरिष्ठ प्रशिक्षक भवानी शंकर, जिनके पास इस क्षेत्र में लगभग 15 वर्षों का अनुभव है, ने प्रतिभागियों को भावनात्मक संतुलन, मानसिक शांति एवं जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण से जीने के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया। कार्यशाला में समाज के अनेक सदस्यों ने सहभागिता की। तीन घंटे के इस सत्र में प्रतिभागियों ने भावनाओं को समझने, तनाव को कम करने, मानसिक स्पष्टता बढ़ाने तथा स्वयं से जुड़ने की विभिन्न सरल एवं प्रभावी तकनीकों का अनुभव किया। कार्यक्रम के पश्चात प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस कार्यशाला से उन्हें मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास तथा जीवन

को नई दिशा से देखने की प्रेरणा मिली। कई प्रतिभागियों ने इसे अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं व्यावसायिक जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि आध्यात्म और विज्ञान के समन्वय से प्रस्तुत यह कार्यशाला उनके लिए एक अनूठे और प्रेरणादायक अनुभव रही। अंत में प्रतिभागियों ने भवानी शंकर के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। समाज के अध्यक्ष सजन सोनो के मार्गदर्शन में जीण सेना के सभी सदस्य भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी, व्यक्तिगत विकास एवं समाजहित से जुड़े कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन करेंगे। उनका उद्देश्य समाज में एकता, संगठन और आपसी सहयोग की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है। जीण सेना का मानना है कि युवाओं की मेहनत, लगन और सकारात्मक सहभागिता ही समाज को मजबूती प्रदान करेगी।

विद्यार्थियों को दिलाई नशा मुक्ति की शपथ
बिलासपुर/नवप्रदेश। आंध्र समाज द्वारा संचालित आंध्र समाज स्कूल, बुधवारी बाजार, रेलवे परिक्षेत्र, बिलासपुर में आज विद्यार्थियों के मध्य 'नशा मुक्त भारत - स्वस्थ भारत' अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा उन्हें स्वस्थ, अनुशासित एवं संस्कारित जीवन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, सी एच दया मानी, प्रधान पाठिका आर वरलक्ष्मी, प्रधान पटाक एम श्रीनिवास राव कुधेणी, राजेश सिंह, शिक्षकगण एवं समस्त विद्यार्थियों की उपस्थिति में सभी ने सामूहिक रूप से नशा मुक्ति की शपथ ली। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे। शपथ के दौरान विद्यार्थियों ने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने शरीर एवं मन को स्वस्थ रखने के लिए अच्छे संस्कार, नियमित अध्ययन, खेलकूद, योग एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनानेगे। साथ ही अपने विद्यालय एवं समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए एक जिम्मेदार, जागरूक एवं आदर्श नागरिक बनने का प्रयास करेंगे।



जिले में अब तक 621 मिमी वर्षा

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में एक जून से अब तक 621. 5 मिली मीटर वर्षा हो चुकी है। सबसे अधिक वर्षा बिलासपुर तहसील में हुई है।

क्रमांक	जिला / तहसील	आज दिनांक की वर्षा	01 जून 2026 से प्रतिदिन दिनांक तक की वर्षा	विगत 10 वर्षों में अगस्त पर 1 जून की औसत वर्षा
1	बिलासपुर	9.2	710.2	590.8
2	डिंडी	29.0	597.6	542.7
3	मल्हुरी	13.2	648.4	536.2
4	नरसपुर	17.2	610.0	609.1
5	कोटा	12.0	500.4	566.9
6	सीपत	28.5	597.5	542.8
7	बोदरी	21.3	704.4	542.3
8	बेलगहना	18.0	604.6	591.6
9	बेलार	15.3	544.0	570.3
10	रतनपुर	17.4	617.0	574.8
11	सकरी	20.6	737.8	617.2
12	पचवटी	15.5	586.4	533.0
जिले का योग		217.2	7458.4	6817.7
जिले का औसत		18.1	621.5	568.1

अपराधी में हो पुलिस का डर, आम लोगों को पुलिस से सुरक्षा का दिलाएं भरोसा: सिंह

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर पुलिस द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस उप महानिरीक्षक रजनेश सिंह आईपीएस के निर्देशन पर सार्वजनिक स्थलों पर विभिन्न कार्यक्रम के दौरान लोगों को नवीन कानून/न्याय संहिता के प्रमुख प्रावधानों और नागरिकों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने के लिए पुलिस अधिकारी कर्मचारी द्वारा फ्लैक्स वीडियो एवं संदेश के माध्यम से लोगों को जानकारी दे रहे हैं।

इस दौरान पुलिस लाइन, थाना चौकी द्वारा अपने अपने क्षेत्रों के प्रमुख स्थानों पर लोगों को

संबोधित करते हुए न्याय संहिता के प्रावधान और नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। महिला, बच्चे, युवा व वरिष्ठ नागरिक प्रत्येक वर्ग के लोगों को नवीन कानून के प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है। पुलिस ग्राउंड पर कार्यक्रम आयोजित किया है जिसमें 2000 से अधिक लोगों को जागरूक किया गया। सिस्म ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ डांस चौपियन सीजन-3 में जिला के साथ राज्य के कई कलकारों ने हिस्सा लिया जिनको लगातार 19/7/2026 से



24/7/2026 तक प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें प्रतिदिन 2000 नागरिकों को जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, संगठित अपराधों और महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि पुलिस के प्रति भय का वातावरण केवल

रजनेश सिंह द्वारा लोगों को संबोधन करते हुए न्याय संहिता के प्रावधान जिसमें महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, संगठित अपराधों और महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि पुलिस के प्रति भय का वातावरण केवल

उनको होना चाहिए जो अपराध में लिप्त है, अपराधिक गतिविधियों में शामिल होकर समाज को प्रभावित कर रहे उनको पुलिस से डर होना चाहिए। आम लोगों को पुलिस से डरने की आवश्यकता नहीं पुलिस के साथ फ्रेंडली विहेवीयर रखना चाहिए ताकि जनता और पुलिस के बीच सकारात्मक संवाद और तालमेल बने, समाज के प्रत्येक अच्छे बुरे को जानकारी पुलिस तक पहुँच सके और सामुदायिक पुलिसिंग, बेसिक पुलिसिंग, और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से समाज की सुरक्षा सुनिश्चित किया जा सके। इसी क्रम में पुलिस विभाग द्वारा

समय समय पर जिले के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रदर्शनी लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है, 26-7-2026 को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर लखीराम ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान फ्लैक्स वीडियो द्वारा 1000 लोगों को जागरूक किया गया। पुलिस विभाग द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियार और अन्य पुलिस अधिकारी कर्मचारी द्वारा लगातार प्रमुख स्थानों पर लोगों को जागरूक करने हेतु अनेक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।



सुविचार

प्रार्थना ऐसे करो जैसे सब कुछ भगवान पर निर्भर है लेकिन प्रयास ऐसा करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर है।

पीडीए की नई परिभाषा

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में अब कुछ माह ही शेष रह गये हैं। समाजवादी पार्टी के सुप्रीमों अखिलेश यादव जहां संसद में चंदा चोरी के मुद्दे को लेकर भाजपा पर निशाना साध रहे हैं और इसे लेकर संसद के बाहर लगातार समाजवादी पार्टी के सांसद प्रदर्शन कर रहे हैं जिसे अब कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन में शामिल अन्य दलों का भी समर्थन मिल रहा है यहां तक की नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जो जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के मुद्दे को लेकर आक्रामक रूख अपनाये हुए थे वे भी समाजवादी पार्टी के सूर में सूर मिलाते हुए संसद के बाहर चंदा चोर गद्दी छोड़ का नारा लगा रहे हैं। इसी प्रदर्शन के दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने साधु के वेश में चंदा चोरी का नाटक करके साधु संतो की नाराजगी मोल ले ली थी। जिन्होंने पप्पू यादव के साथ ही समाजवादी पार्टी पर भी जमकर निशाना साधा था। जब यह बात अखिलेश यादव के समझ में आई तो उन्होंने डैमेज कंट्रोल के लिए ब्राह्मण जाति को साधने के लिए अपने पीडीए की परिभाषा फिर एक बार बदल ली पहले वे पीडीए का अर्थ पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक बनते थे बाद में उन्होंने ए का मतलब अल्पसंख्यक की जगह अगड़ा बताना शुरू कर दिया था और अब उन्होंने पीडीए में पी का मतलब पंडित बताया है। उन्होंने योगी सरकार पर ब्राह्मण समाज के साथ अन्याय करने का भी आरोप लगाया है और दावा किया है कि पीडीए ही ब्राह्मणों के हितों की रक्षा करेगा। दरअसल अखिलेश यादव अपना जनाधार उत्तरप्रदेश में कमजोर पड़ता जा रहा है। वहां का पिछड़ा वर्ग भाजपा के साथ रहा है सिर्फ यादव समाज ही समाजवादी पार्टी का समर्थक है लेकिन इसमें भी भाजपा संघ लगा रही है। दलित वोट बैंक भी समाजवादी पार्टी से छिटकने का खतरा पैदा हो गया है। क्योंकि बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमों मायावती इस बार उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव पुरी ताकत से लड़ने जा रही हैं। यह चुनाव मायावती के लिए करो या मरो वाला है। मायावती जानती है कि यदि इस बार भ उनकी पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा तो उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी। आज भी उनके साथ दलित समाज का एक बड़ा वर्ग जुड़ा हुआ है। जाहिर है मायावती समाजवादी पार्टी का खेल बिगाड़ेंगी वे न सिर्फ दलित वोट को बल्कि मुस्लिम वोट को भी समाजवादी पार्टी के पाले से अपनी ओर खींच सकती हैं। समाजवादी पार्टी के परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक में भी इस बार अस्सदुद्दीन औवैसी संघ लगाने जा रहे हैं। उन्होंने पहले समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने की अपील की थी लेकिन कांग्रेस के विरोध के कारण अखिलेश यादव औवैसी के साथ हाथ मिलाने में हिचक रहे हैं। अलग होकर चुनाव लड़ते हैं तो निश्चित रूप से वे समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में नुकसान पहुंचाएंगे। भले ही वे पिछले विधानसभा चुनाव की तरह एक भी सीट न जीत पाये लेकिन कई सीटों पर चुनावी गणित को गड़बड़ा देंगे। यही वजह है कि अब अखिलेश यादव ने पीडीए की नई परिभाषा गढ़ी है। और पी का मतलब पंडित बताकर ब्राह्मणों सहित अन्य अगड़ी जातियों को अपने पाले में लाने की कवायद कर रहे हैं। बिहार विधानसभा की बाकींपुर सीट पर हुए उपचुनाव में इस तरह से जनसुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने अगड़ा बाहुल पीठ पर भाजपा को पराजित किया है। उससे भी अखिलेश यादव उसाहित हो गये हैं। उन्हें लग रहा है कि अब अगड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे को लेकर भाजपा से नाराज हो गया है। ऐसे में स्वर्ण वोटों को साधने का उन्हें अनुकूल अवसर नजर आ रहा है। इसमें उन्हें इतनी सफलता मिलती है यह तो आने वाला वक़ ही बताएगा।

आतंकी माड्यूल का खुलासा ; सतर्कता जरूरी

पंजाब पुलिस ने एक आतंकी माड्यूल का खुलासा करते हुए चार नाबालिग सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से अवेध हथियार भी जब्त हुए हैं। पंजाब पुलिस के मुताबिक नई दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के दौरान वहां बम फेकने की योजना बनाई गई थी। आतंकी माड्यूल के इस खुलासे के बाद संसदीय फैल गई है। एक बड़ा आतंकी हमला होने से बच गया है। यदि जंतर मंतर पर कांक्रोच जनता पार्टी का आंदोलन और लंबा चरचता तो वहां आतंकी वरदात हो जाती। पंजाब पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है उनसे पुछताछ में उससे कई चौकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। यह ठीक है कि फिल्हाल तो खतरा टल गया है लेकिन देश को बहलाने की साजिश आगे भी हो सकती है। इसलिए अतिरिक्त सतर्कता बरतना निहायत जरूरी है। पंजाब की तरह ही बंगाल में भी आतंकी माड्यूल का खुलासा हुआ है। जाहिर है पड़ौसी देश पाकिस्तान भारत में इसी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में है और इसके लिए वह भारत में ही रहते वाले गद्दारों को मोहरा बना रहा है और इनमें भी वह नाबालिग बच्चों का सहारा ले रहा है। ऐसे में जम्मू कश्मीर, बंगाल और नई दिल्ली सहित देश के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना आवश्यक है और संदिग्धों के खिलाफ युद्धस्तर पर अभियान भी चलाना होगा। तभी पाक के नापाक मंसूबे नाकाम होंगे और देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर जो खतरा पैदा हुआ है वह दूर होगा।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1880 - उचित वक्ता पण्डित दुर्गाप्रसाद मिश्र द्वारा प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र था।
19१6 - अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गिरे उल्का पिंड के अवशेषों से मंगल ग्रह पर एक कोशिका वाले जीवों के होने की संभावना का पता चला।
1998 - केन्या एवं तंजानिया की राजधानियों में स्थित अमेरिकी दूतावासों पर आतंकवादी हमले में 200 से अधिक लोगों की मृत्यु।
1999 - पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने एक बार फिर भारत से वार्ता की पेशकश की।
2000 - रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा एक कानून पर हस्ताक्षर कर अपनी शक्ति का विस्तार।
2003 - बगदाद में जार्डन दूतावास के बाहर हुए कार बम विस्फोट में 12 लोगों की मृत्यु।
2005 - इस्रायल के वित्तमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
2008 - सार्वजनिक क्षेत्र के देना बैंक ने अपनी प्रथान व्ययज दरें 0.75% बढ़ाकर 14.25% करने की घोषणा की।



डॉ देवेन्द्र नाथ शर्मा शिक्षाविद

खाद्य संकट की घड़ी
1960 के दशक में बढ़ती जनसंख्या, सूखा और अकाल ने भारत की खाद्यान्न स्थिति को बेहद गंभीर बना दिया था। 1965-66 के भीषण सूखे ने संकट को और गहरा कर दिया। पारंपरिक खेती पुराने बीजों, वर्षा पर निर्भरता और सीमित सिंचाई पर आधारित थी, जिससे प्रति हेक्टेयर उत्पादन बहुत कम रहता था। 1970 के दशक के आरंभ तक भारत अपने नागरिकों का पेट भरने के लिए विदेश से आयातित अनाज पर निर्भर था। अमेरिका से पीएल-480 योजना के तहत गेहूँ मँगाना पड़ता था। उस समय देश की सबसे बड़ी आवश्यकता थी—खाद्यान्न उत्पादन को कई गुना बढ़ाना। यदि ऐसा न होता, तो भूख और खाद्य असुरक्षा गंभीर संकट बन सकती थी।

हरित क्रांति की नींव

इसी चुनौतीपूर्ण काल में डॉ. मनमोम्बु संबासिवन स्वामीनाथन ने निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने अमेरिका के कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉंग के सहयोग से भारत के वातावरण के अनुकूल उच्च उपज वाली गेहूँ की किस्में विकसित करने का कार्य शुरू किया। बोरलॉंग से मैक्सिकन अर्ध-बौनी किस्में प्राप्त की गईं और भारत में उनकी व्यवहार्यता का परीक्षण किया गया। ये किस्में उच्च उपज देने वाली होने के साथ-साथ रोग-प्रतिरोधी भी साबित हुईं। स्वामीनाथन ने विशेष रूप से पंजाब और हरियाणा के किसानों को इन किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि इन राज्यों में गेहूँ की खेती के लिए अनुकूल जलवायु थी।

1966 में उन्होंने भारतीय सरकार को मैक्सिको से 18,000 टन उच्च उपज वाले बीज खरीदने के लिए राजी किया। इन बीजों के आने के साथ ही भारत में हरित क्रांति का शुभारंभ हुआ। परिणाम चमत्कारी

अभिव्यक्ति

गरीब किसानों के मसीहा डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन

हरित क्रांति से एवरग्रीन रिवोल्यूशन तक

सरकार का उच्चतम नेतृत्व यदि किसी वैज्ञानिक को शोध एवं अनुसंधान की पूरी स्वतंत्रता दे, देश की समस्याओं के समाधान के लिए उसके संकल्प पर विश्वास करे और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए, तो वह वैज्ञानिक अपनी पूरी ऊर्जा राष्ट्र के उत्थान में समर्पित कर सकता है। इस सत्य को साकार किया 1960 के दशक में किसानों के मसीहा बने कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन ने। हरित क्रांति के माध्यम से उन्होंने भारत को भुखमरी से बचाया और खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया। देश उनका सदैव ऋणी रहेगा।



रहे। मैक्सिकन गेहूँ की किस्में अपनाने वाले किसानों की पैदावार और मुनाफा तेजी से बढ़ा। भारत का गेहूँ उत्पादन 1964 में लगभग 12 मिलियन टन से बढ़कर 1970 में लगभग 20 मिलियन टन हो गया। इसके बाद सरकार ने देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर घोषित कर दिया। आधुनिक कृषि पद्धतियाँ—उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग, उन्नत सिंचाई तकनीकें तथा मशीनीकरण—इसके बाद देश के अधिकांश राज्यों में तेजी से अपनाई जाने लगीं। गेहूँ उत्पादन में सफलता ने चावल की खेती में भी प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया। स्वामीनाथन ने चावल की कई उन्नत किस्में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे चावल उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न संकट से उबारकर आत्मनिर्भर बनाया और खाद्य सुरक्षा को मजबूत नींव प्रदान की। सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य भंडारण व्यवस्था सुदृढ़ हुई। आज भारत विश्व के प्रमुख खाद्यान्न उत्पादक देशों में शामिल है।

एवरग्रीन रिवोल्यूशन

हरित क्रांति ने क्रांतिकारी बदलाव लाया, किंतु कई चुनौतियाँ भी खड़ी कीं। इसका लाभ मुख्यतः पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे सिंचित

क्षेत्रों तक सीमित रहा। छोटे और सीमांत किसानों को अपेक्षाकृत कम लाभ मिला। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हुई, भूजल का अत्यधिक दोहन हुआ, जैव विविधता घटी और पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा। कृषि लागत भी बढ़ गई। इन समस्याओं का ध्यान में रखते हुए स्वामीनाथन ने 'एवरग्रीन रिवोल्यूशन' (सदाबहार क्रांति) का विचार प्रस्तुत किया। इसके अंतर्गत कम पानी में अधिक उत्पादन, जैविक एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, मुदा स्वास्थ्य में सुधार, जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कृषि तथा छोटे किसानों की आर्थिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। उद्देश्य था—प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट किए बिना दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना।

जीवन परिचय

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन का जन्म 7 अगस्त 1925 को तमिलनाडु के कुंभकोणम में एक कृषक परिवार में हुआ। बचपन से ही उन्होंने कम फसल उत्पादन के कारण कर्ज के बोझ तले दबे किसानों की गरीबी को प्रत्यक्ष देखा। परिवार उन्हें सर्जन बनाना चाहता था, किंतु 1943 के बंगाल अकाल (जिसमें लाखों लोग मारे गए) ने उन्हें भारत के खाद्य संकट से निपटने के लिए प्रेरित किया। परिणामस्वरूप उन्होंने कृषि विज्ञान में करियर चुना।

1944 से 1954 तक के शैक्षणिक सफर में उन्होंने आनुवंशिकी और पादप प्रजनन में डॉक्टरेट तथा पोस्ट-डॉक्टरेट सहित कई डिग्रियाँ प्राप्त कीं। 1949 में यूनेस्को ने आलू की फसल को पाले और कीटों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाने के शोध के लिए उन्हें फैलोशिप दी। 1954 में उन्होंने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में कार्य आरंभ किया, जहाँ उनका अधिकांश शोध उर्वरकों और उन्नत किस्मों के माध्यम से चावल तथा

गेहूँ के उत्पादन बढ़ाने पर केंद्रित रहा। 1950 के दशक में मैक्सिको में नॉर्मन बोरलॉंग की सफलता के बारे में जानकर वे प्रेरित हुए। बोरलॉंग द्वारा विकसित अर्ध-बौनी गेहूँ की किस्मों ने मैक्सिको को आयात-निर्भर देश से आत्मनिर्भर गेहूँ उत्पादक में बदल दिया था। इसी सफलता से प्रेरित होकर उन्होंने भारत में हरित क्रांति की नींव रखी।

पद और जिम्मेदारियाँ

स्वामीनाथन 1961 से 1972 तक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के निदेशक, 1972 से 1979 तक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक तथा 1982 से 1988 तक फिल्टीपीस के लॉस बान्योस स्थित अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के महानिदेशक रहे। वे प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ के अध्यक्ष तथा 1989 से 1996 तक विश्व वन्यजीव कोष (भारत) के अध्यक्ष भी रहे। 2004 से 2006 तक राष्ट्रीय किसान आयोग के अध्यक्ष और 2007 से 2013 तक राज्यसभा सदस्य रहे। 1988 में उन्होंने एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फउंडेशन की स्थापना की, जो स्वयं को गरीब-समर्थक, महिला-समर्थक और प्रकृति-समर्थक संगठन के रूप में परिभाषित करता है तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है।

सम्मान

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को उनके अमूल्य योगदान के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा गया। भारत सरकार ने उन्हें 1967 में पद्म श्री, 1972 में पद्म भूषण तथा 1989 में पद्म विभूषण के सम्मानों से सम्मानित किया। 1971 में फिल्टीपीस की रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फउंडेशन द्वारा उन्हें रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया।

भाजपा: गलत निर्णयों की भरमार का दुष्परिणाम



राजीव खडेलवाल

स्थापित, चिर-परिचित उम्मीदवार को बदलकर मानो "अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली।"इसी एक नियम ने 'हार की नींव' उसी दिन रख दी थी।

मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में शामिल रहे भाजपा के वरिष्ठ कद्दावर नेता एवं पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, जो पिछले चुनाव में मात्र लगभग 7 हजार मतों से पराजित हुए थे, का टिकट काटने का तो कोई ठोस, उचित और विश्वसनीय कारण कार्यकर्ताओं न तो बताया गया, और न ही उन्हें -मनाने- का गंभीर प्रयास हुआ। उनका दिल्ली दौरे में राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात न हो पाना भी दुर्भाग्यपूर्ण रहा।

स्थिति तब और बिगड़ गई, जब



टिकट कटने के विरोध में जिला संगठन के अधिकांश पदाधिकारियों ने "सामूहिक इस्तीफे" दे दिए। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ने 'असंतुष्ट' नरोत्तम मिश्रा को संगठन अथवा सरकार में कोई सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर "संतुष्ट" कर नाराजगी दूर करने की कोशिश नहीं की। परिणामतः "बोया पेड़ नबूल का, तो आम कहाँ से होय।"

नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटना:

हार का सबसे बड़ा कारण?

मोडिया में सूत्रों के कहाने से यही कारण आया कि पार्टी के आंतरिक सर्वे में नरोत्तम मिश्रा चुनाव हार रहे थे। लेकिन सवाल ये है कि जिन आशुतोष तिवारी को उनका स्थान दिया गया, क्या उनका भी उतना ही व्यापक सर्वे कराया गया था? राजनीति में जब किसी स्थापित नेता का टिकट काटना होता है, तो सबसे आसान तर्क "तथाकथित सर्वे" ही बन जाता है। पर यदि सर्वे ही "ब्रह्मवाक्य" को होता अंतिम सत्य हो तो अनेक चुनावी परिणाम उसके विपरीत क्यों आते?

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

हुआ सुदामा सा कभी,कब किसका सत्कार। कान्हा जैसा दूसरा...हुआ नहीं फिर यार।। बना सुदामा मैं प्रभो,ज्जकोज् सत्य चरित्र । कलियुग में भी श्याम सा, सीधा सच्चा मित्र ।। देख सुदामा मीत को , नजरे फेरें श्याम । बदल गये इस दौर में ,यारी के आश्रम ।। जन यारी की नींव ही,... नफ़ और नुकसान। चले नही ज़्यादा दिवस ,उनकी कभी दुकान ।। रहे वहीं तक मित्रता, ...रहे वहीं तक प्यार जब तक हो व्यवहार में, शामिल नही उधार ।। मीत वही है खास अब, है जो पूर्ण समर्थ ।। बदल गये हैं वाकई , अब यारी के अर्थ ।। लगे सामने यार के,आर यार असहाय ।। यारी वो यारी नहीं, यारी वो व्यवसाय ।।

- रमेश शर्मा वशिष्ठ

समय को पीछे छोड़ के आया समय को फिर भी आगे पाया समय बदलता पल-पल यारो मैं ही शायद बदल ना पाया। सोच-सोच कर आगे बढ़ता समय चले है, नहीं ठहरता चले चला चल रुक मत अब गया समय फिर नहीं लौटता । - जे डी कुदाल

तृषा कृष्णन पर भदे, डबल मीनिंग स्पीच पर उदयनिधि स्टालिन अरेस्ट हो गया.. गलती कर दी.. इसके बदले पीएम की माँ को गाली देता तो शाबाशी और माफी दोनों मिल जाती.. लिबरलों की वाह वाही मिलती वह अलग.. पहली बार आज जोसफविजय के लिए पुत स्पॉट रहेगा..

- अंबर दानी

जशन की रात थी जिंदगी बारात थी उनींदी पलकें,होंठों पे ठहरी बात थी गुजर गया हर लम्हा मुझे के रेत सी रौशन दीवारें मगर वो गहरी रात थी।

- सपना चन्द्रा

फिर गीत पुरवा आने लगीं हैं। बदली नगम सुनाने लगीं हैं। ठहरे हैं टीलों पे बादल थके से जुगनू तो अब कर रहे रतजगे से वो नीली नीली सलोनो बदलियां रातों में पायल, बजाने लगीं हैं फिर गीत पुरवा... चूनर हवाओं में, लहरा रहीं हैं घटाएं फजलतीं कहीं जा रहीं हैं रंगीली सजीली, महकती फिजाएं किसे ।गुनुगुना कर,बुलाने लगीं हैं फिर गीत पुरवा...

- अजय कुमार सिंह भदौरिया

लोग पोस्ट डालते हैं की हिन्दू मंदिर नहीं जाता लेकिन मंदिर में जो दो चार ट्रस्टी होते हैं जैसे लगता है मंदिर उनकी जागीर हो भगवान का घर सभी भक्तों के लिए एक समान होना चाहिए परन्तु प्रसाद देते समय मुंह देखकर प्रसाद देना बड़े मंदिरों की व्यवस्था आम नागरिक के लिए बहुत सारे नियम लेकिन वीआईपी लोगों के लिए सब सहज।

- सुनिल पुष्पराज पांडेय

एक जगह वीडियो देख रही थी जिसमें टिंवकल खन्ना आत्मश्लाघा से परिपूर्ण पूरे जोश और होशो-हवास में कह रही थी कि मेला फिल्म करने के बाद मैंने एक्टिंग से सन्यास ले लिया है,युझे एक्टिंग में कोई खास रूचि नहीं है।इतना ही नहीं आगे कहते हुए गर्व से भावविभोर होकर कहती है कि एक ज्योतिष ने कहा था कि आप एक बेहतरीन उम्दा लेखिका बनेंगी और सच में बन गईं। खैर!

- मधुबाला मोर्या

राशि फल	
मेष : आज का दिन आपका लिए है अति फलदायक है आज किसी भी कार्य को करने से पहले उसके लाभ अथवा हानि के बारे में विचार अवश्य करें। वृष : आज के दिन मध्यांन तक आप कर्म करने की अपेक्षा ख्याली पुलाव पकाएंगे। कार्य क्षेत्र पर काम करना सनेने के बाद भी मन अव्यग्र घूमेगा। परिवार के बुजुर्ग लंबी बीमारी के कारण परेशान होंगे। मिथुन: आज परिस्थितियां कार्यों में बाधक बनेगी। दिन के आरंभ से ही मन अनर्गल प्रवृत्तियों में अटकना बिना सोचे समझे किष्ट गए कार्य बाद में पश्चाताप का कारण बनेंगे। कर्क: आज के दिन परिस्थितियां आपके अनुकूल बन रही है फिर भी दिन के पूर्वांश में	कोई भी महत्वपूर्ण कार्य जल्दबाजी में ना करें अन्यथा हानि होने की संभावना है। सिंह: आज के दिन आप जिस भी कार्य को करेंगे उसे ले देकर अवश्य ही संतोषजनक स्थिति तक पहुंचा देंगे। दिन के आरंभ में परिवार के बड़े लोग किसी महत्वपूर्ण विषय में आप का विरोध कर सकते हैं। कन्या: आज का दिन आपके लिए सामान्य लेकिन आप के संपर्क में रहने वालों के लिए अति उत्तम रहेगा आज आप अपनी जिजी आवश्यकताओं को अनदेखा कर परिजन एवं अन्य निकटस्थ लोगों की कामना पूर्ति करने के लिए समय एवं धन खर्च करेंगे। तुला: आज का दिन आप के लिए परिश्रम सध्या ही रहेगा मध्यांन तक प्रत्येक कार्य में अधिक माथापट्टी करनी पड़ेगी लेकिन मध्यान्ह के बाद परिस्थितियां बेहतर बनने लगेंगी आज आप परिश्रम में कमी नहीं करेंगे।

QUIZ TIME	
1) किस राज्य में स्थित ग्लॉ इील को रामसर स्थल की सूची में शामिल किया गया है? 2) किस देश द्वारा दुनियां का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग चुंबक बनाया गया है? 3) भारत में रेयर पृथ्वी तत्व के लिए एक्सप्लोरेशन लाइसेंस देने वाला देश का पहला राज्य कौन सा बना है? 4) विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन कब से कब तक किया जा रहा है? 5) किस राज्य के पारंपरिक पिथौरा चित्रकला को हाल ही में जीआई टैग प्रदान किया गया है?	
प्रश्न (5) प्रश्न 1-4 (4) प्रश्न 5 (1) कुल (2) अंश प्रश्न 5 (1) अंश	RamaQuiz

पहेली	
शब्द सामर्थ्य - 122	(आपका स्कोर)
शब्दों से खाली	विचारा 10, बरदास, पुष्पा 12, निष्ठा, नेत्र, सत्यार 4, बचपन, 1, चोरी और बाघ, जालीय, भोग, रोज़मर्रा 13, कोयल, सुन, विचित्रता 5, सौदागर, चतुर होने परापूर्विक 3, स्वाभाव, सीला के 14, एक वाक्यपर किसी सारी का भाव 7, साधु 8, यारा वरों का समूह 6, पूरा का बख़्शे ही 16, बचपन, बचपनी आत्मनिर्भर, जो पूरे पर अर्द्धिक, किसी वस्तु का स्वयंकार, 18, अमलिया, वेदुषा, जगद, 9 को 9, स्वाभाव, सत्यार 11, जो पूरा 7, विस्मय, सत्यार्थ 8, यदिय 19, पूर्ण, जगद, 10 का बख़्शे के प्रति 10, 13, अचरभया, रिश्वत, बचप 20, रिश, अपूर्ण।
अवसर पर मुझे जरी याद आता है	अवसर से कीजे
कुमार 9, जालस का बरदास, 1, टीलेर, विचार 2, अमली 12, यार, बचपन, 10	निष्ठा 16, निष्ठा, बुद्धि, बड़ा
	शब्द सामर्थ्य क्रमांक 121 का हल

न्यूज़ गैलरी

2 सूने मकानों के ताले टूटे

जबलपुर। शहर में सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी की दो बड़ी वारदातें सामने आई हैं। हनुमानताल और आधारताल थाना क्षेत्रों में अज्ञात बदमाश लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी कर फरार हो गए। दोनों मामलेों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हनुमानताल थाना क्षेत्र के पंचकुइया निवासी मोहम्मद तुलाम ने बताया कि परिवार के साथ रिश्तेदारी में आयोजित कार्यक्रम में गए थे। देर रात लौटने पर मकान का ताला टूटा मिला। अंदर अलमारी और लॉकर टूटे हुए थे। चोर सोने-चांदी के जेवर, 30 हजार रुपये नकद, बैंक पासबुक और जरूरी दस्तावेज लेकर फरार हो गए। वहीं आधारताल थाना क्षेत्र के न्यू रामनगर निवासी नवीन पटेल परिवार सहित जन्मदिन समारोह में गांव गए थे। सुबह पहुंचीसी ने फोन कर घर का ताला टूटने की जानकारी दी। मौके पर पहुंचने पर अलमारी का लॉकर टूटा मिला। चोर सोने-चांदी के जेवर, करीब 70 हजार रुपये नकद और अन्य सामान चोरी कर ले गए। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में देर रात कुछ संदिग्ध युवक मकान की बाउंड्री फांदते दिखाई दिए हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

स्टेशन से 5 साल की मासूम बरामद
अपहरण के आरोप में महिला गिरफ्तार
जबलपुर। गौरीघाट थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच वर्षीय बालिका के अपहरण के मामले का कुछ ही घंटों में खुलासा कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बच्चों की सुरक्षित बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार लाल कुआं, कालीमाता मंदिर के पास रहने वाले ईलाही शाह ने शिकायत दर्ज कराई कि उनकी पत्नी की पहचान सुमन यादव नामक महिला से हुई थी। 4 अगस्त की रात सुमन उनके घर रूकी थीं। देर रात जब परिवार की नींद खुली तो पांच वर्षीय बेटी और सुमन दोनों घर से गायब थे। घर का दरवाजा बाहर से बंद मिला, जिससे अपहरण की आशंका जताई गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सम्यत उपाध्याय के निर्देश पर गौरीघाट पुलिस ने तत्काल सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में आरोपी महिला बच्चों को लेकर रेलवे स्टेशन की ओर जाती दिखाई दी। इसके बाद पुलिस ने मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-6 के पास से बच्चों को सुरक्षित बरामद कर आरोपी सुमन यादव (30), निवासी शाहपुरा, जिला डिंडेरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

दहेज प्रताड़ना से तंग आकर विवाहिता ने दी जान, पति गिरफ्तार
जबलपुर। चरगावा थाना क्षेत्र में विवाहिता की आत्महत्या के मामले में पुलिस जांच के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। मायके पक्ष के आरोपों और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पति, सास और ससुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करते हुए पति को गिरफ्तार कर लिया है। नगर पुलिस अधीक्षक बरगी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि 24 जून को वेनीसिंह पिपरिया निवासी सुशील यादव ने 23 वर्षीय पत्नी नेहा यादव के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना दी थी। प्रारंभिक बयान में पति ने आत्महत्या का कारण नेहा के पेट में लंबे समय से चल रहा दर्द बताया था। मर्ग जांच के दौरान मृतका के मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि पति सुशील यादव, सास कैलाश बाई और ससुर भगवानदास यादव पिछले चार माह से 50 हजार रुपये की मांग कर नेहा को लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। प्रताड़ना से परेशान होकर नेहा ने आत्मघाती कदम उठा लिया। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 108 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी पति सुशील यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

आग से झुलसी वृद्धा की इलाज के दौरान मौत
जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र के ग्राम सिमरा खिरिया में आग से गंभीर रूप से झुलसी 70 वर्षीय महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार वसुंधरा कॉलोनी निवासी मिथुन पटेल ने सूचना दी कि उनकी नानी 70 वर्षीय सावित्री बाई पटेल 3 अगस्त की रात घर के बाहर हॉल में आग से झुलसी हुई मिली थीं। परिजनों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए हेल्थ सिटी मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान 4 अगस्त की शाम उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करारकर मर्ग कायम किया है तथा आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार स्कूटी की टक्कर से दो युवक घायल, चालक पर केस दर्ज
जबलपुर। विजयनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्कूटी की टक्कर से दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने स्कूटी चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शुभम भूमिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने साथियों के साथ वाहन से जा रहा था।

17 साल जेल में रहने के बाद अंततः हाईकोर्ट से 2 भाइयों को मिली राहत

जबलपुर। मप्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी.के. अग्रवाल और न्यायाधीश ए.के. सिंह की संयुक्तपीठ ने द्याधे के 17 साल पुराने (वर्ष 2009) हत्या के एक मामले में पुलिस की आरंभिक जांच पर गंभीर स्वावल उठाए हैं। न्यायालय ने पाया कि एफआईआर की विश्वसनीयता से लेकर हत्या में इस्तेमाल बनाए गए चाकू और गवाहों के बयानों तक कई ऐसे तथ्य हैं, जो अभियोजन की कहानी पर संदेह पैदा करते हैं। इन परिस्थितियों में संयुक्तपीठ ने मामले के आरोपी तुलसीराम राजपाल और उसके भाई हरप्रसाद को उम्मेदद की सजा निरस्त कर दोनों को बरी करने के आदेश जारी किए।

बच्चों की जान जोखिम में डालने पर सरकार से मांगा जवाब

बेतवा स्टॉप डेम मामला हाईकोर्ट का स्वतः संज्ञान

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने विदिशा जिले में बेतवा नदी पर बने स्टॉप डेम के पिलरों के सहारे स्कूली बच्चों के रोजाना जान जोखिम में डालकर स्कूल आने-जाने के मामले को बेहद गंभीर मानते हुए स्वतः संज्ञान (सुओ मोटू) लिया है। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया एवं जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने समाचार को जनहित याचिका (पिल) के रूप में पंजीबद्ध करते हुए राज्य सरकार से विस्तृत जवाब-तलब किया है।

सुनवाई की शुरुआत में न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ तथा अधिवक्ता हिमाश्रु मिश्रा को अदालत मित्र नियुक्त किया, ताकि न्यायालय को तथ्यात्मक एवं कानूनी पहलुओं पर आवश्यक सहायता मिल सके।

रोजाना मौत को मात देकर स्कूल पहुंच रहे बच्चे

मामले के अनुसार, विदिशा जिले में बेतवा नदी पर बने स्टॉप डेम के पिलरों



के बीच लगभग चार-चार फीट का अंतर है। इसी खतरनाक संरचना को पार कर प्रतिदिन नौ स्कूली बच्चे, जिनमें पांच छात्राएं शामिल हैं, स्कूल पहुंचते हैं। सड़क मार्ग से स्कूल की दूरी लगभग 10 किलोमीटर होने के कारण बच्चों के पास यह जोखिम भरा रास्ता अपनाने के अलावा कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं बचा है। थोड़ी सी चूक किसी भी दिन बड़े हादसे में बदल सकती है।

इस घटना का समाचार सार्वजनिक

होने के बाद हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर इसे जनहित का गंभीर विषय माना।

कोर्ट मित्र ने सुझाए दो व्यवहारिक समाधानः सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कोर्ट मित्र नमन नागरथ ने न्यायालय के समक्ष समस्या के समाधान के लिए दो महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए।

पहला, यदि संबंधित स्टॉप डेम की वर्तमान संरचना खतरनाक और अनुपयोगी है तो उसे हटाया अथवा

आदेश की अवहेलना पर राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक पर लगाया 50 हजार का जुर्माना

सविदा महिला कमी भी चाइल्ड केयर लीव की हकदार : हाईकोर्ट

जबलपुर। मप्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विशाल धगत की एकलपीठ ने उच्च न्यायालय व सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद एक सविदा महिला कर्मचारी को चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) से वंचित रखे जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह पर 50 हजार रुपये का व्यक्तिगत जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही न्यायालय ने याचिकाकर्ता की चाइल्ड केयर लीव का आवेदन खारिज करने वाला विभागीय आदेश निरस्त कर दिया।

मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता आयशा शेख की ओर से अधिवक्ता निखिल तिवारी ने पक्ष रखते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि याचिकाकर्ता नौवां बार उच्च न्यायालय की शरण में हैं। इसी से प्रशासकीय मनमानी का अंदाजा लगाया जा सकता है। राज्य शिक्षा केंद्र ने 16 जुलाई को उसका आवेदन खारिज करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग के 22 जुलाई 2023 के परिपत्र का हवाला दिया था। सुनवाई के बाद न्यायालय ने कहा कि मध्य प्रदेश सिविल सेवा अवकाश नियम, 1977 के नियम 38-सी में

महिला सरकारी सेवक को 730 दिन तक बाल देखभाल छुट्टी का प्रविधान है। सविदा महिला कर्मचारी भी दो बच्चों की देखभाल के लिए 240 दिन की छुट्टी की हकदार है। एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय कानून का व्याख्याकार है और उसकी व्याख्या अंतिम होती है। विभागीय परिपत्र न्यायिक आदेशों से ऊपर नहीं हो सकता। इस मत के साथ उच्च न्यायालय ने तत्काल याचिकाकर्ता को चाइल्ड केयर लीव देने और राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक को 30 दिन में 50 हजार रुपये जमा करने के निर्देश दिए हैं।

राकेश सिंह भदौरिया पहले निर्वाचित सदस्य घोषित, आज से

एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव: एलिमिनेशन राउंड शुरू

जबलपुर। मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल चुनाव–2026 की मतगणना के पहले चरण में इंदौर के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश सिंह भदौरिया पहले निर्वाचित सदस्य घोषित हुए हैं। निर्धारित कोटा हासिल करने वाले वे पहले और एकमात्र प्रत्याशी रहे।

अब गुरुवार से एलिमिनेशन राउंड की मतगणना शुरू होगी, जिसमें शेष 22 सीटों के लिए मुकाबला अब बढेगा। मुख्य चुनाव अधिकारी जस्टिस एस.के. पालो तथा सहायक चुनाव अधिकारी जी.एस. बघेल और दीपक अवस्थी ने बताया कि चुनाव में कुल 61,796 मत पड़े थे। इनमें से 2,182 मत अवैध पाए जाने पर निरस्त कर दिए गए। इसके बाद



59,614 वैध मतों की गणना की गई। पहले राउंड में केवल राकेश सिंह भदौरिया ही निर्धारित कोटा प्राप्त कर सके, जिसके बाद उन्हें पहला निर्वाचित सदस्य घोषित किया गया।

सबसे कम मत पाने वाले प्रत्याशी होंगे बाहर

चुनाव अधिकारियों के अनुसार गुरुवार से शुरू होने वाले दूसरे चरण में सबसे कम मत पाने वाले उम्मीदवारों को क्रमवार बाहर किया जाएगा। उनके मत निर्धारित चुनाव नियमों के रहत अन्य

उम्मीदवारों को स्थानांतरित किए जाएंगे। यह प्रक्रिया तब तक चलेगी, जब तक सभी 23 पदों पर निर्वाचित सदस्यों का चयन नहीं हो जाता।

23 पदों के लिए 122 उम्मीदवार मैदान में
हाई पॉवर्ड कमेटी के सचिव प्रशांत दुबे ने बताया कि स्टेट बार काउंसिल के 23 पदों के लिए चुनाव कराया जा रहा है। इनमें 18 पुरुष और 5 महिला सदस्यों का निर्वाचन होना है। इस चुनाव में 98 पुरुष और 24 महिला अधिवक्ताओं

सहित कुल 122 उम्मीदवार मैदान में हैं।

अब शेष 22 सीटों पर निगाहें
पहले चरण में केवल एक उम्मीदवार के निर्वाचित होने के बाद अब अधिवक्ता समुदाय की नजरें एलिमिनेशन राउंड पर टिकी हैं। आगामी दौर में मतों के स्थानांतरण के साथ शेष 22 सीटों पर जीत-हार का फैसला होगा। माना जा रहा है कि अगले कुछ चरणों में चुनावी तस्वीर काफी हद तक स्पष्ट होने लगेगी।

एफएसएल की 5 साल की 20 फीसदी रिपोर्ट की जांच के लिए आदेश

डीएनए रिपोर्ट में कट-पेस्ट पर हाईकोर्ट का गंभीर रुख

जबलपुर। मप्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक अग्रवाल और न्यायाधीश विवेक जैन की संयुक्तपीठ ने एक मामले में सुनवाई के दौरान भोपाल स्थित राज्य फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की कार्यप्रणाली पर गंभीर स्वावल उठाते हुए पिछले पांच वर्षों में तैयार हुई डीएनए एवं अन्य वैज्ञानिक रिपोर्टों में से 20 प्रतिशत रिपोर्टों की रेंडम जांच कराने का आदेश दिया है। न्यायालय ने राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि वे 7 दिनों के भीतर प्रदेश के बाहर के तीन वैज्ञानिक अधिकारियों की स्वतंत्र समिति गठित करें, जो इन रिपोर्टों की जांच करेंगी। विशेष खंडपीठ ने कहा कि यदि एक मामले में कट-पेस्ट जैसी गंभीर गलती सामने आई है तो यह जानना आवश्यक है कि कहीं अन्य मामलों में भी ऐसी त्रुटियां तो नहीं हुईं। मामले की अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी।

बुधवार को सुनवाई के दौरान राज्य फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की प्रभारी निदेशक डॉ. हर्षा सिंह व्यक्तिगत रूप से उच्च न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुईं। उन्होंने स्वीकार किया कि डीएनए रिपोर्ट में गलत नाम दर्ज होना कट-पेस्ट की वजह से हुआ हो सकता है। इस पर न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी करते हुए

कहा कि यदि इस तरह की लापरवाही स्वीकार की जाती है तो डीएनए क्रोमोसोम के मिलान जैसे अत्यंत संवेदनशील वैज्ञानिक आंकड़ों की विश्वसनीयता भी संदेह के घेरे में आ जाती है। न्यायालय ने कहा कि इससे न केवल फोरेंसिक जांच प्रणाली बल्कि न्यायालय में प्रस्तुत वैज्ञानिक साक्ष्यों की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्न उठते हैं। इस मत के साथ न्यायालय ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि पिछले 5 वर्षों में तैयार हुई डीएनए और अन्य वैज्ञानिक रिपोर्टों में से 20 प्रतिशत रिपोर्टों का रेंडम चयन कर प्रदेश के बाहर के तीन विशेषज्ञ वैज्ञानिक अधिकारियों की समिति से जांच कराई जाए। उक्त पूरी प्रक्रिया 6 महीने के भीतर पूरी करने के निर्देश न्यायालय ने दिए हैं।

व्याह है मामला ? उच्च न्यायालय का यह आदेश नर्मदापुरम जिले के साकेत (इटारसी) निवासी पंकज कुमार बिंदोलिया की ओर से दायर अपराधिक अपील की सुनवाई के दौरान दिया गया। पंकज ने पॉस्मो विशेष न्यायालय द्वारा 16 मार्च 2026 को सुनाई गई उम्मेदद की सजा को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। इसी मामले में सुनवाई के दौरान सामने आया कि 31 दिसंबर 2024 को एफएसएल भोपाल द्वारा जारी डीएनए रिपोर्ट में गलत व्यक्ति का नाम दर्ज था।

महिला सरपंच व सचिव से वसूली पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक कहा - सरकारी वसूली में कानून और प्रक्रिया भी जरूरी



राज्य शासन सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। मंडला जिले की ग्राम पंचायत बिनेका की सरपंच और पंचायत सचिव के खिलाफ प्रस्तावित 4.93 लाख रुपये की वसूली पर अगली सुनवाई तक के लिए रोक लगाते हुए मामले में

परस्ते और पंचायत सचिव विधिपन पटेल ने 29 जून 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत उनसे 4,93,942 रुपये की वसूली प्रस्तावित की गई थी।

करने के साथ ही स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक विवादित आदेश के आधार पर याचिकाकर्ताओं से किसी प्रकार की वसूली नहीं की जाएगी।

गौरीघाट में 343 पाव देशी शराब जब्त, पुलिस को देख तस्कर फरार



जबलपुर। गौरीघाट थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भीमनगर क्षेत्र से 343 पाव देशी शराब जब्त की है। बरामद शराब की कीमत करीब 38 हजार 400 रुपये बताई गई है। पुलिस को देखते ही आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी कन्हैया बघेल ने बताया कि बुधवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि भीमनगर स्थित पानी की टंकी के नीचे रहने वाला शिब्यू गोस्वामी अवैध रूप से शराब का भंडारण कर बिज्री की तैयारी कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताया गए स्थान पर घेराबंदी कर दक्षिण दी।पुलिस के पहुंचते ही आरोपी शिब्यू गोस्वामी दो बोरियां छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने उसका पीछा किया, लेकिन वह अंधेरे और झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार हो गया। मौके पर पड़ी दोनों बोरियों की तलाशी लेने पर उनमें 343 पाव देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब जब्त कर फरार आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के कारोबार में लित लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

में उनका उपचार जारी है और सभी घायल पूरी तरह खतरे से बाहर बताए गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह अयोध्या में भगवान राम के दर्शन कर वापस तेलंगाना लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा तेज गति वाहन का चालक बहोरीपार में अचानक नियंत्रण वाहन से नियंत्रण खो बैठ, जिसके कारण गाड़ी सड़क पर ही पलट गई। वाहन पलटने की आवाज सुनते ही आसपास के खेतों और घरों में मौजूद लोग तुरंत दौड़कर मौके पर पहुंचे। लोगों ने देखा कि गाड़ी के भीतर बैठे महिलाएं दर्द से कराह रही थीं और मदद की गुहार लगा रही थीं। स्थानीय नागरिकों ने बिना विलंब तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम और एंबुलेंस सेवा को फोन किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तत्काल हकत मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से गाड़ी के अंदर फंसी महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के बाद मुख्य मार्ग पर कुछ देर के लिए वाहनों की लंबी कतार लग गई थी और यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया था। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क के बीच से हटवाया और यातायात को पूरी तरह से सुचारू करवाया। डक्टरों के मुताबिक समय पर अस्पताल पहुंच जाने के कारण सभी घायल महिलाओं की स्थिति अब पूरी तरह से नियंत्रण में है और किसी की भी जान को कोई खतरा नहीं है।



न्यूज गैलरी

‘हर घर तिरंगा’ अभियान को घर-घर पहुंचाने का आह्वान, मंत्री पंवार ने दिए संगठन को सक्रिय करने के निर्देश



राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के व्यापार में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी मंडल की मासिक बैठक आयोजित हुई, जिसमें आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और राष्ट्रीय अभियानों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश के महुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री नारायणसिंह पंवार ने मुख्य रूप से शामिल होकर कार्यकर्ताओं से संवाद किया और 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मंत्री पंवार ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का जनआंदोलन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे प्रत्येक घर तक पहुंचकर लोगों को अभियान से जोड़ें और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का संदेश दें। साथ ही संत रविदास महाराज की जन्म जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली विधानसभा स्तरीय यात्रा तथा हर बूथ पर कार्यकर्ता अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को भी गंभीरता से पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक को भाजपा जिला महामंत्री देवीसिंह सौंधिया ने कहा कि संगठन की नियमित बैठकों में प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। आगामी कार्यक्रमों की सफलता कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और समर्पण पर निर्भर करेगी। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने तथा आगामी अभियानों में जनसहभागिता बढ़ाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री बद्रीलाल यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिलवर यादव, जिला उपाध्यक्ष इंद्र सिंह लववंशी, पूर्व जिला महामंत्री अमित शर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष जसवंत गुर्जर,नारायण सिंह सालरियाखेड़ी, मंडल अध्यक्ष राजु यादव, मंडल महामंत्री सुमित सोलंकी, दीपक सामरे, प्रदेश प्रभारी गोपाल जाटव, गोपाल बादशाह, दीपकमल शर्मा, पार्षद विष्णु साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार मंडल उपाध्यक्ष एवं पार्षद रूचि रवि बंडोने ने व्यक्त किया।

अमरकंटक बस स्टैंड के दुकानदारों ने एसडीएम को बताई समस्याया

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की नर्मदा नगरी अमरकंटक में गुरुवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वसीम अहमद भट्ट ने अमरकंटक विकास प्राधिकरण कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने वैतरणी बस स्टैंड परिसर में आवंटित दुकानों के दुकानदारों के साथ बैठक कर समस्याएं सुनीं। इस दौरान दुकानदारों ने अमरकंटक विकास प्राधिकरण और नगर परिषद पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अनदेखी के कारण उनका व्यापार चौपट हो गया है। दुकानदारों ने बकाया राशि, बस स्टैंड की मूलभूत सुविधाओं और लंबे समय से चली आ रही अव्यवस्थाओं पर भी चर्चा की। दुकानदारों ने बताया कि वैतरणी बस स्टैंड की अधिकांश दुकानें लंबे समय से बंद पड़ी हैं। इन दुकानों के सामने अवैध रूप से अस्थायी दुकानें संचालित हो रही हैं, जिनसे नगर परिषद नियमित रूप से बाजार बैठकी शुल्क वसूलती है। इस अतिक्रमण के कारण ग्राहकों का आवागमन प्रभावित हो रहा है और स्थायी दुकानदारों का व्यापार ठा हो गया है। बस स्टैंड परिसर में सड़क, पेयजल, साफ-सफाई और सुलभ शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। बारिश के दौरान बस स्टैंड के आसपास जलभराव और फिसलन की स्थिति बन जाती है, जिससे यात्रियों और व्यापारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। बंद पड़ी दुकानों और परिसर में लंबे समय से सफाई न होने के कारण गंदगी का अंभार लगा हुआ है। शाम होते ही परिसर में अस्वामिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है, जहां शराबखोरी जैसी गतिविधियां होती हैं। कई स्थानों पर खुले में शौच और पेशाब किए जाने तथा आवाग मवेशियों के घूमने से स्थिति और भी बदतर हो गई है। रखरखाव के अभाव में विकास प्राधिकरण की कई दुकानों के शटर जर्जर हो चुके हैं।

जबलपुर/आसपास

इंदौर महापौर के रिपोर्ट कार्ड पर कांग्रेस का पलटवार, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था के लगाए आरोप

नवप्रदेश/इंदौर।

इंदौर नगर निगम परिषद के चार वर्ष पूरे होने पर महापौर पुष्पमित्र भार्गव द्वारा अपने कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किए जाने के बाद कांग्रेस ने उस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

गुरुवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में नगर निगम की कार्यप्रणाली, शहर के विकास कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्था



को लेकर सवाल उठाए। इस दौरान निगम शहर की मूलभूत समस्याओं के समाधान के बजाय अव्यवस्था और कथित अनियमितताओं का केंद्र बन गया

है। उन्होंने कहा कि नगर निगम से जुड़े विभिन्न मामलों में भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए, लेकिन जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। बेलेश्वर बावड़ी हादसे का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले में नगर निगम के जिन अधिकारियों पर कार्रवाई की गई थी, उन्हें बाद में पुनः पदस्थ कर दिया गया। वहीं भागीरथपुरा में दुपित पानी से हुई मौतों का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अब तक इस घटना के कारणों और जिम्मेदारों को लेकर स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है। कांग्रेस ने राज्य सरकार से नगर निगम के बकाया वित्तीय ढांचों का मुद्दा भी उठाया। चौकसे ने कहा कि चुंगी, क्षतिपूर्ति, स्टॉप ड्यूटी और प्रवेश कर सहित विभिन्न मंदों में नगर निगम के 600 करोड़ रुपये से अधिक की राशि राज्य सरकार पर लौटत है। उनका आरोप था कि महापौर इस

विषय पर सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से पक्ष नहीं रख सके। नगर निगम की प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि अधिकारी मुख्यालय में पर्याप्त समय नहीं देते, जिससे आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की समस्याओं के समाधान में देरी होती है। उन्होंने यह भी कहा कि नवाचार के नाम पर जनसुनवाई जैसी व्यवस्थाएं कमजोर हुई हैं। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस ने ड्रेनेज लाइन और नामांतरण से जुड़े कथित घोटालों का भी उल्लेख किया। चौकसे ने दावा किया कि नामांतरण प्रकरण की जांच अब तक पूरी नहीं हुई है, जबकि इससे बड़ी संख्या में संपत्तियां प्रभावित हुई हैं। सड़क चौड़ीकरण के दौरान प्रभावित लोगों को मुआवजा दिए जाने का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस ने कहा कि जिस प्रकार अन्य

शहरों में प्रभावित नागरिकों को मुआवजा दिया गया है, उसी प्रकार इंदौर में भी छवनी और जिंसी क्षेत्र के प्रभावित परिवारों को राहत मिलनी चाहिए। कांग्रेस ने सराफा क्षेत्र की यातायात व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत, जलभराव, गर्मी के दौरान पेयजल संकट, दुपित पेयजल और ट्रेफिक प्रबंधन सहित कई स्थानीय मुद्दों पर भी नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। पार्टी ने कहा कि इन मुद्दों पर नगर निगम को जवाबदेही के साथ प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उल्लेखनीय है कि महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने 4 अगस्त को अपने चार वर्ष के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए नगर निगम की उपलब्धियों और विकास कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया था, जिसके बाद कांग्रेस ने यह प्रतिक्रिया दी है।

कलेक्टर-एसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया शिव डोला मार्ग का निरीक्षण- 30 अगस्त को निकलेगा शिव डोला

नवप्रदेश/खरगोन।

मध्य प्रदेश के खरगोन में आगामी 30 अगस्त को आयोजित होने वाले पारंपरिक शिव डोला को लेकर कलेक्टर गुरु प्रसाद एवं पुलिस अधीक्षक रवींद्र वर्मा ने गुरुवार को शिव डोला मार्ग का संयुक्त निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा एवं आयोजन के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।



निरीक्षण के दौरान कलेक्टर गुरु प्रसाद ने शिव डोला मार्ग को व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए मार्ग में बाधा बनने वाले लटकते बिजली के तारों को तत्काल व्यवस्थित कराने, नालियों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा मार्ग की आवश्यक मरम्मत एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। पुलिस अधीक्षक रवींद्र वर्मा ने

यातायात व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को ट्रैफिक संचालन के लिए प्रभावी रुट प्लान तैयार करने, आवश्यक स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती तथा भीड़ प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिव डोला के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों एवं शिव डोला में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं से

अपील की कि वे आयोजन के दौरान पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें, यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करें तथा व्यवस्था बनाए रखने में अपनी सहभागिता निभाएं, जिससे शिव डोला का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। इस दौरान अपर कलेक्टर रेखा ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर वीरेंद्र कुमार कटारे, एसडीएम सत्येंद्र बैरवा, नगर पालिका सीएमओ कमला कोल सहित अन्य अधिकारी एवं शिव डोला समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

तीन कंपनियों के बीजों का भंडारण व विक्रय प्रतिबंधित, दो विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त-निलंबित

ग्वालियर।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में तीन कंपनियों के अमानक धान-बीज के भण्डारण एवं ऋय-विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसी तरह एक खाद-बीज भण्डार का बीज विक्रय लायसेंस निरस्त व दूसरे अन्य खाद-बीज भण्डार का बीज विक्रय लायसेंस निलंबित किया गया है।

कृषि उप संचालक भानु प्रकाश शर्मा ने गुरुवार को जानकारी देते हुए किसानों के हितों की सुरक्षा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन



द्वारा खाद-बीज की दुकानों का लगातार निरीक्षण कराया जा रहा है। साथ ही खाद-बीज के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जा रही है। नमूने अमानक पाए जाने पर सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर रश्मिका चौहान के निर्देश पर अलग-अलग आदेश जारी कर यह कार्रवाई की गई है। कृषि उप संचालक शर्मा के अनुसार, धान बीज (किस्म पी.बी.-1718 टी.एल.) अमानक साबित होने पर पंजाब की कंपनी मैसर्स जे.सी. एशी केयर (इंडिया) के सभी प्रकार के बीजों के भंडारण, ऋय एवं विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी तरह बीज उत्पादक

कंपनी अल्फा एगोटेक, कोटा राजस्थान (मार्क. ग्रीन रिवोल्यूशन प्रालि.) से लिया गया धान-बीज (किस्म पी.बी.-1509 टी.एल.) अमानक पाए जाने पर इस फर्म के समस्त पाए जाने पर बीज उत्पादक कंपनी कार्तिक बायो सीड के समस्त प्रकार के बीजों के भण्डारण एवं ऋय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रयोगशाला की विश्लेषण रिपोर्ट में गिराज जी खाद भण्डार एबी रोड घाटीगांव की धान-बीज (किस्म पी.बी.-1509 टी.एल.) नमूना अमानक पाए जाने पर इनका बीज विक्रय पंजीयन निरस्त कर दिया गया है। इसी तरह न्यू गल्ल मंडी के सामने भितरवार रोड डबरा स्थित प्रधान कृषि सेवा केन्द्र फर्म का धान बीज (किस्म पी.बी. 1847 टी.एल.) बीज विक्रय पंजीयन निलंबित किया गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद इन सभी कंपनियों व फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर बीज नियंत्रण आदेश, 1983 के प्रावधानों के तहत यह कार्रवाई की गई है।

इंदौर में यह सम्मेलन सुरक्षित एवं टिकाऊ आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में बनेगी मील का पत्थर: सिलावट

इंदौर में 12वीं अंतरराष्ट्रीय फील्ड मॉनिटरिंग इन जियो मैकेनिक्स संगोष्ठी शुरू, 30 देशों के विशेषज्ञ हुए शामिल

नवप्रदेश/इंदौर।

मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने गुरुवार को इंदौर के होटल रडिसन में आयोजित 12वीं अंतरराष्ट्रीय फील्ड मॉनिटरिंग इन जियोमैकेनिक्स संगोष्ठी (आईएसएफएमजी-2026) का शुभारंभ किया। यह संगोष्ठी 10 अगस्त तक चलेगी। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 30 से अधिक देशों के लगभग 250 वैज्ञानिक, शोधकर्ता, अभियंता, सरकारी अधिकारी तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। मंत्री तुलसीराम सिलावट ने अपने संबोधन में देश-विदेश से आए सभी विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह सम्मेलन जल संसाधनों और आधारभूत संरचनाओं की सुरक्षा एवं सतत विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि बांध, जलाशय, नहरें, पुल, सुरंगें तथा अन्य सार्वजनिक संरचनाएं किसी भी राष्ट्र की प्रगति की



आधारशिला होती है। इनकी नियमित निगरानी और आधुनिक तकनीकों के उपयोग से संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर जन-सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है तथा रखरखाव की लागत भी कम की जा सकती है। मंत्री सिलावट ने कहा कि मध्य प्रदेश में नदियां, बांधों और सिंचाई परियोजनाओं का व्यापक नेटवर्क है। ऐसे में इस संगोष्ठी में साझा किए जाने वाले वैश्विक अनुभव, अनुसंधान और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां प्रदेश के जल प्रबंधन, सिंचाई व्यवस्था, बाढ़ नियंत्रण तथा आपदा प्रबंधन को और

अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होंगी। उन्होंने सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने इस प्रतिष्ठित सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए आईआईटी इंदौर की प्रो. नीलिमा सत्यम एवं उनकी पूरी टीम, इंडियन जियोटेक्निकल सोसायटी तथा सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी। साथ ही सभी प्रतिभागियों से इंदौर एवं मध्यप्रदेश की समृद्ध संस्कृति, विरासत और आतिथ्य का अनुभव करने का

आग्रह करते हुए सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। मंत्री सिलावट ने कहा कि 12वीं अंतरराष्ट्रीय फील्ड मॉनिटरिंग इन जियोमैकेनिक्स संगोष्ठी का इंदौर में आयोजन मध्य प्रदेश और देश के लिए गौरव का विषय है। यह पहली बार है जब इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भारत में हो रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस संगोष्ठी से प्राप्त ज्ञान, नवीन तकनीकों और वैश्विक अनुभवों का लाभ देश और प्रदेश में सुरक्षित, सुदृढ़ एवं टिकाऊ आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर जल संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में जल संरचनाओं के संरक्षण और सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है। आधुनिक फील्ड मॉनिटरिंग तकनीकों की मदद से आधारभूत संरचनाओं में संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर बांध सुरक्षा, सिंचाई प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन को अधिक प्रभावी

बनाया जा सकता है। सिलावट ने कहा कि मध्य प्रदेश जल संरक्षण की समृद्ध परंपरा वाला प्रदेश है। यहां 47 हजार से अधिक तालाबों और 5,839 अमृत सरोवरों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन का कार्य योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है। नर्मदा, ताप्ती और चंबल सहित 207 नदियों से समृद्ध मध्यप्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संगठनों, उद्योग जगत और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के बीच मजबूत समन्वय से ही सुरक्षित और टिकाऊ आधारभूत संरचनाओं का निर्माण संभव है। आईआईटी इंदौर जैसे संस्थानों में हो रहे शोध और नवाचार को आमजन, किसानों और विकास परियोजनाओं तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। मंत्री सिलावट ने विश्वास व्यक्त किया कि आईएसएफएमजी-2026 संगोष्ठी नए विचारों, अत्याधुनिक तकनीकों और वैश्विक अनुभवों के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच सिद्ध होगी।

भगवान की भक्ति केवल दिखावे के लिए नहीं, सच्चे और भावपूर्ण मन से की जानी चाहिए: पंडित प्रदीप मिश्रा

नवप्रदेश/सीहोर।

कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि यदि भक्त के भाव शुद्ध होंगे तो भगवान शिव उसके समक्ष अवश्य उपस्थित होंगे। भगवान की भक्ति केवल दिखावे के लिए नहीं, बल्कि सच्चे और भावपूर्ण मन से की जानी चाहिए। भगवान शिव की भक्ति करने वाले भक्त के मुख का दर्शन हो जाए तो भी मनुष्य का कल्याण हो सकता है। पंडित प्रदीप मिश्रा मध्य प्रदेश के सीहोर जिला मुख्यालय के सामंथस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम पर जारी पांच दिवसीय ऑनलाइन शिव महापुराण के चौथे दिन गुरुवार को भगवान शिव की भक्ति और श्रद्धा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कथा का वाचन कर रहे थे। उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था और विश्वास बनाए रखने का आह्वान किया। **भगवान शिव की निंदा करने वाले का पतन निश्चित:** कथा के दौरान पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि भगवान शिव की निंदा करने वाले व्यक्ति का पतन अवश्य होता है। भगवान शिव के प्रति मन में श्रद्धा और विश्वास होना चाहिए। शिव भक्ति में भाव की प्रधानता है। भक्त के मन में जितना अधिक प्रेम, विश्वास और समर्पण होगा, उतना ही उसका जीवन आध्यात्मिक रूप से मजबूत होगा। **एक गुरु के शिष्य थे दुर्गोधन और**



अर्जुन, विचार अलग-अलग: पंडित प्रदीप मिश्रा ने कथा के दौरान दुर्गोधन और अर्जुन का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि दोनों एक ही गुरु के शिष्य थे, लेकिन दोनों की दृष्टि, विचार और भाव अलग-अलग थे। उन्होंने कहा कि एक ही शिक्षा और एक ही वातावरण प्राप्त करने के बावजूद मनुष्य अपने संस्कारों और विचारों के अनुसार जीवन की दिशा तय करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि मनुष्य को अपने विचारों और भावों को सकारात्मक रखना चाहिए। शिव विचार ही अच्छे कर्मों की ओर ले जाते हैं और अच्छे कर्मों से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। **कांवड़ यात्रियों से तीर्थ पथ बना**

सीहोर से कुबेरेश्वरधाम का मार्ग: गुरुवार को भी बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री शहर के सीवान नदी तट पर पहुंचे और पवित्र जल लेकर भगवान शिव के जयकारों के साथ कुबेरेश्वरधाम की ओर खाना हुए। पूरे मार्ग में हर-ह महादेव और शिवभक्ति के जयघोष सुनाई देते रहे। पंडित प्रदीप मिश्रा ने अपने संदेश में कहा कि कांवड़ यात्रियों के कारण सीवान नदी तट से कुबेरेश्वरधाम तक का मार्ग तीर्थ पथ में बदल गया है। उन्होंने बताया कि मार्ग में अनेक स्थानों पर क्षेत्रवासियों और सामाजिक संगठनों द्वारा सेवा स्टॉल लगाए गए हैं, जहां कांवड़ यात्रियों का स्वागत कर उन्हें विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

मानगढ़ धाम विवाद: केंद्र के इनकार पर गरमाई सियासत और इतिहास का सच

नई दिल्ली/ए। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में स्थित ऐतिहासिक मानगढ़ धाम एक बार फिर बड़े राजनीतिक और सामाजिक विवाद के केंद्र में आ गया है। केंद्र सरकार द्वारा इस स्थल को ‘राष्ट्रीय महत्व का स्मारक’ घोषित करने से इनकार किए जाने के बाद आदिवासी समाज और विपक्षी दलों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

‘आदिवासियों के बलिदान का अपमान’ – विपक्षी दलों का हमला

केंद्र सरकार के इस रुख के बाद विपक्षी दलों और आदिवासी संगठनों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भारत आदिवासी पार्टी के संस्थापक और बांसवाड़ा के सांसद राजकुमार रोट ने केंद्र के बयान को 1,500 आदिवासियों के ऐतिहासिक बलिदान का अपमान बताया है। उनका कहना है कि सरकार के इस फैसले से आदिवासी समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और यह साबित होता है कि आदिवासियों का इतिहास भाजपा के लिए कोई महत्व नहीं रखता। बीएपी के



देशभर में ‘बोलती पब्लिक’ अभियान चलाएगी सीजेपी



नई दिल्ली/ए। कॉंग्रेस जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने जंतर-मंतर आंदोलन और केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इसीफे की युवाओं की बड़ी जीत बताते हुए पार्टी के आगामी एजेंडे का ऐलान किया। दिपके ने गुरुवार को कहा कि पिछले कई वर्षों से सरकार यह संदेश देती रही कि सत्ता में बैठे लोगों से कोई सवाल नहीं पूछ सकता। लेकिन युवाओं के आंदोलन ने इस धारणा को बदल दिया। उन्होंने कहा कि धर्मेन्द्र प्रधान का इसीफ सिर्फ एक व्यक्ति का इस्तीफा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आंदोलन की सफलता और जनता के भीतर से डर खत्म होने का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि 25 जुलाई का आंदोलन देश के युवाओं की ऐतिहासिक जीत थी। इस आंदोलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि लोगों में सरकार से

अब ‘बोलती पब्लिक’ नाम से राष्ट्रीय अभियान

दिपके ने बताया कि पार्टी की दो दिवसीय कोर कमेटी की बैठक में शितंबर से देशभर में ‘बोलती पब्लिक’ नाम से राष्ट्रीय अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इस अभियान के तहत पार्टी देशभर में जाकर लोगों से उनकी समस्याएं और अपेक्षाएं जानेगी। उनका कहना है कि आज राजनीतिक दल और सरकारें आम जनता, खासकर युवाओं से कट चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का पहला और सबसे बड़ा मुद्दा शिक्षा सुधार होगा। उनका आरोप है कि देश में शिक्षा लगातार गंढगी होती जा रही है। गिनी स्कूलों, कॉलेजों और कॉलेज संस्थानों की बढ़ती फीस ने आम परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा को व्यवसाय नहीं, बल्कि हठ नागरिक का मौलिक अधिकार माना जाना चाहिए।

सवाल पूछने का साहस पैदा हुआ। कॉंग्रेस जनता पार्टी की विचारधारा पर बोलते हुए दिपके ने कहा कि उनकी पार्टी भारतीय संविधान के मूल्यों पर चलने वाली पार्टी है।

10 अगस्त को विधानसभा का घेराव करेंगे प्रदर्शनकारी छात्र

न परीक्षाओं में गड़बड़ी पर प्रदर्शन तेज, बातचीत के लिए सरकार ने बनाई टीम

रांची/नवप्रदेश। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने गुरुवार को कहा कि वे सरकार के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों ने बातचीत के लिए शर्त भी रखी है। छात्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उनकी बातचीत बंद कम्परे में नहीं बल्कि मीडिया की मौजूदगी में होनी चाहिए। छात्रों ने कहा है कि उनकी मांगें यदि पूरी नहीं हुई तो वे 10 अगस्त को विधानसभा का घेराव करेंगे। बता दें कि छात्र जेपीएससी, जेएसएससी सीजीएल एवं अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली एवं अनियमितताओं को लेकर धरना दे रहे हैं। इस बीच, प्रदर्शनकारी छात्रों से बातचीत के लिए हेमंत सरकार ने एक टीम गठित की है।



10 अगस्त को विधानसभा का करेंगे घेराव

समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कुमार ने कहा, ‘छात्र 10 अगस्त को विधानसभा का घेराव करेंगे। कल एसडीओ सहित सरकार के कुछ अधिकारी हम लोगों से मिलने आए और हमने अपनी मांगें उन्हें बता दीं। हमारी मांगें यदि पूरी नहीं हुई तो 10 अगस्त को घेराव करने के लिए हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा की तरफ कूच करेंगे।’ कुमार ने कहा कि प्रदर्शनकारी छात्र टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से संपन्न जेपीएससी, जेएसएससी सीजीएल एवं अन्य भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की मांग कर रहे हैं।

महतो से सोनम वांगचुक ने की फैन पर बात

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि प्रश्न पत्र लीक होने का मुद्दा

एक राष्ट्रीय समस्या है और उन्होंने इस गतिरोध को सुलझाने के लिए बातचीत का प्रस्ताव दिया है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने झारखंड में भर्ती

गुरुवार से शुरू हो रहा विधानसभा का मानसून सत्र

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र गुरुवार से शुरू हो रहा है। समझा जाता है कि इस सत्र में परीक्षाओं में कथित धांधली का मुद्दा प्रमुखता से उठया जाएगा। वहीं, छात्रों ने विधानसभा के घेराव की बात कहते हुए हेमंत सरकार पर अपना दबाव बढ़ा दिया है। प्रदर्शनकारी राधे कुमार ने कहा कि सरकार की ओर से आंदोलनकारी छात्रों के साथ संपर्क करने की पहल के बाद विधानसभा का घेराव करने का फैसला किया गया।

परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में भूख हड़ताल कर रहे देवेन्द्र नाथ महतो से बुधवार को बातचीत की और उनसे पानी पीने की अपील की। वांगचुक की अपील मानते हुए महतो ने अपने अनशन के चौथे दिन पानी पिया।

विधायक नौशाद सिद्दीकी ने पुलिस को दी चुनौती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में मस्जिदों के लाउडस्पीकर को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। आईएसएफ (इंडियन सेक्युलर फ्रंट) के विधायक नौशाद सिद्दीकी ने आरोप लगाया है कि पुलिस बिना किसी लिखित आदेश या आधिकारिक अधिसूचना के मस्जिद कमेटियों पर माइक्रोफोन और लाउडस्पीकर हटाने का दबाव बना रही है। उन्होंने कहा कि यदि किसी मस्जिद में ध्वनि प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन हो रहा है, तो प्रशासन को मौजूदा कानून के तहत कार्रवाई करनी चाहिए, न कि मौखिक निर्देशों के आधार पर। इस पूरे मामले को लेकर उन्होंने अदालत जाने और पुलिस बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को ईमेल भेजने की बात भी कही।

आईएसएफ के विधायक नौशाद सिद्दीकी ने बुधवार की मीडिया से बात करते हुए कहा, ‘मुझे स्थानीय लोगों के कई फोन आ रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिस ने लाउडस्पीकरों को बुलाकर माइक्रोफोन और लाउडस्पीकर हटाने के लिए कहा है। जब कमेटियों ने पुलिस से इस मांग का आधार जानने के लिए



कोई लिखित आदेश या अधिसूचना (नोटिफिकेशन) मांगी, तो पुलिस ऐसा कोई दस्तावेज नहीं दिखा सकी। पुलिस ने केवल इतना कहा कि ‘हमने कह दिया है, इसलिए यह करना ही होगा।’ हालांकि, हमारा स्पष्ट रुख है कि यदि इन्हें हटाना है तो प्रशासन लिखित आदेश जारी करे या फिर पुलिस खुद आकर इन्हें हटाए। मैंने लोगों से अपील की है कि वे प्रशासन के साथ किसी भी तरह का टकराव न करें, क्योंकि बंगाल में बीजेपी इस समय दबाव में है। नौशाद सिद्दीकी ने कहा, ‘ध्वनि प्रदूषण के मुद्दे पर पहले भी कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो चुकी है। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने क्षेत्रों को औद्योगिक (इंडस्ट्रियल), आवासीय (रिजिडेंशियल), व्यावसायिक (कमर्शियल) और साइलेंट जोन में विभाजित किया है।

आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से आंशिक राहत; अंतरिम जमानत नहीं मिली

नई दिल्ली/ए। सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को फिलहाल अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। हालांकि, अदालत ने उन्हें अपनी पसंद का एक प्रशिक्षित केयरटेकर (देखभाल करने वाला) रखने की अनुमति दे दी, जो 24 घंटे उनकी चिकित्सकीय जरूरतों का ध्यान रख सकेगा। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की पीठ ने स्वास्थ्य आधार पर अंतरिम जमानत मांगने वाली आसाराम की याचिका पर सुनवाई करते हुए उसे फिलहाल लॉबत रखा। अदालत ने कहा कि यदि भविष्य में उनकी तबीयत और बिगड़ती है तो वे



दोबारा अदालत का रुख कर सकते हैं।

सरकार ने पैरोल का मुद्दा उठाया

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि आसाराम ने यह तथ्य छिपाया है कि उनके वकील ने पहले पैरोल के लिए भी आवेदन किया था। इस पर आसाराम के वकील ने कहा कि पैरोल के अर्जी पहले दायर की गई थी और वह स्वास्थ्य कारणों के आधार पर

नहीं थी। **AIIMS ने अस्पताल में भर्ती की जरूरत नहीं बताई** सुप्रीम कोर्ट को पहले बताया गया था कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों की मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार आसाराम को अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, उन्हें चौबीसों घंटे चिकित्सकीय सहायता और देखभाल की जरूरत है। इसी रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने उन्हें प्रशिक्षित केयरटेकर रखने की अनुमति दी है। इससे पहले 21 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने एम्स को मेडिकल बोर्ड बनाकर उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जांच करने का निर्देश दिया था।

एएम/एनएस इंडिया स्टील ने भारतीय नौसेना के नए पोत आईएनएस मालवन को दी ताकत

हज़ीरा निर्मित स्टील भारत के बढ़ते रक्षा निर्माण इकोसिस्टम को दे रहा है बढ़ावा

नई दिल्ली/मुंबई। 2026: आर्सेलमिस्ल निर्माण स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी रोधी युद्धक शैलो वॉटरक्राफ्ट ‘आईएनएस मालवन’ के निर्माण के लिए आवश्यक 100वें विशेष स्टील की आपूर्ति की है। इस पोत को 22 जुलाई 2026 को कावार, कर्नाटक में नौसेना में शामिल किया गया। हज़ीरा, गुजरात में स्थित एएम/एनएस इंडिया की एकीकृत इस्पात निर्माण सुविधा में निर्मित, इस पोत में इस्तेमाल किया गया विशेष स्टील देश के बढ़ते रक्षा निर्माण इकोसिस्टम और समुद्री सुरक्षा का समर्थन करने में उन्नत भारतीय इस्पात निर्माण की भूमिका को उजागर करता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण सामग्रियों की आपूर्ति

करके भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा में एएम/एनएस इंडिया के योगदान को और मजबूत करता है। एएम/एनएस इंडिया के निदेशक और उपाध्यक्ष - बिन्नी एवं विपणन, श्री रंजन धर ने कहा, आईएनएस मालवन को नौसेना में शामिल होना यह दर्शाता है कि भारत में उन्नत विनिर्माण किस तरह देश की रक्षा तैयारियों का समर्थन कर रहा है। विशेष नौसेना-ग्रेड स्टील के उत्पादन के लिए सख्त गुणवत्ता मानकों, उन्नत धातुकर्म विशेषज्ञता और हमारे ग्राहकों के साथ घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता होती है। हमें गर्व है कि एएम/एनएस इंडिया का स्टील भारतीय नौसेना के अगली पीढ़ी के जहाजों में योगदान दे रहा है, साथ ही घरेलू रक्षा विनिर्माण को मजबूत करने की भारत की महत्वाकांक्षा का समर्थन कर रहा है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित, आईएनएस मालवन आठ

माहे-क्लास एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी में से दूसरा है और भारतीय नौसेना के बेड़े में सेवा में प्रवेश करने वाला अपनी श्रेणी का दूसरा पोत है। 80वें से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ निर्मित, यह कार्यक्रम भारत सरकार की ‘आत्मनिर्भर भारत’ और ‘विकसित भारत’ पहलों का समर्थन करता है, साथ ही नौसेना डिजाइन, इंजीनियरिंग, सिस्टम एकीकरण और रक्षा पोत निर्माण में देश की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करता है। पानी के नीचे निगरानी, पनडुब्बी रोधी युद्ध, माइन वॉरफेयर और तटीय सुरक्षा अभियानों के लिए डिजाइन किया गया, आईएनएस मालवन भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने और तटीय जल में प्रभावी ढंग से काम करने की भारतीय नौसेना की क्षमता को मजबूत करेगा।

सम्मान बनाम प्रोटोकॉल: तमिलनाडु राज्य गीत को लेकर फिर गरमाई राजनीति

न 21 सांसदों ने राज्यपाल को लिखा पत्र

चेन्नई। तमिलनाडु में आधिकारिक कार्यक्रमों के प्रोटोकॉल को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। राज्य के 21 सांसदों ने राज्यपाल आर. एन. रवि अलेकर को पत्र लिखकर विश्वविद्यालयों और सरकारी समारोहों में तमिल राज्य गीत को परंपरा के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत में गाए जाने की व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया है। 5 अगस्त को भेजे गए पत्र में सांसदों ने 28 जुलाई को तिरुनेलवेली स्थित मनोनमनियम सुंदरनार विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षांत समारोह का उल्लेख किया है। सांसदों के अनुसार, राजभवन से मिले निर्देशों के तहत कार्यक्रम की



शुरुआत ‘वंदे मातरम’ से हुई, इसके बाद राष्ट्रीय गान बजाया गया और राज्य गीत को तीसरे स्थान पर प्रस्तुत किया गया।

सांसदों ने अपने पत्र में जून 2026 में तमिलनाडु विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण का भी हवाला दिया। उन्होंने बताया कि उस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत तमिल राज्य गीत से हुई

तमिल राज्य गीत को तीसरे स्थान पर रखने पर क्यों जताई गई आपत्ति?

सांसदों ने पत्र में कहा कि तमिलनाडु के अनेक लोगों ने इस क्रम को तमिल समाज और महान विद्वान मनोनमनियम सुंदरनार पिळ्ळे के प्रति ‘अनजाने’ में किया गया अपमान’ माना। सुंदरनार पिळ्ळे ने ही प्रसिद्ध रचना ‘नीरारुम कडलुडुथा’ की रचना की थी, जिसे 2021 में तमिलनाडु का आधिकारिक राज्य गीत घोषित किया गया था। सांसदों ने यह भी याद दिलाया कि यह गीत पिछले पांच दशकों से अधिक समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों की शुरुआत में गाया जाता रहा है।

थी और अंत में राष्ट्रीय गान हुआ था। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपनाया गया क्रम उसी स्थापित परंपरा से अलग था। सांसदों ने यह भी कहा कि कर्नाटक समेत कई राज्यों में भी राज्य गीत को सम्मानजनक स्थान देने की परंपरा निभाई जाती है।

जूनियर हॉकी चैंपियनशिप में ओडिशा पंजाब, झारखंड और मप्र सेमीफाइनल में

नई दिल्ली/ए। 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 (डिवीजन ‘ए’) के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में ओडिशा, पंजाब, झारखंड और मध्य प्रदेश ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बना ली। तीसरे क्वार्टर फाइनल में हॉकी पंजाब ने हॉकी कर्नाटक को 5-2 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। पंजाब के लिए अजयपाल सिंह (22वें), जसमन सिंह (24वें), सनी (32वें), अमनदीप (35वें) और गुरविंदर सिंह (60वें मिनट) ने गोल किए। कर्नाटक की ओर से दोनों गोल किरण रेड्डी (21वें और 28वें मिनट) ने किए। दूसरे क्वार्टर फाइनल में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी हरियाणा को 5-1 से हराया। लेलसन मिंज ने 15वें, 20वें और 46वें मिनट में गोल कर हट्टिक पूरी की। वहीं, मंदीप केरकेड्डा (3वें) और कप्तान दीपक प्रधान (60वें मिनट) ने भी एक-एक गोल किया। हरियाणा के लिए प्रिंस ने 41वें मिनट में एकमात्र गोल दागा। दिन का सबसे

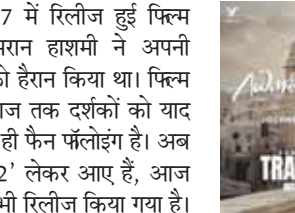


रोमांचक मुकाबला हॉकी झारखंड और उत्तर प्रदेश हॉकी के बीच खेला गया। निर्धारित समय तक दोनों टीमों 3-3 की बराबरी पर रहीं, जिसके बाद शूटआउट में झारखंड ने 4-3 से जीत दर्ज की। उत्तर प्रदेश के लिए सत्यम पांडेय (28वें) और त्रिलोकी वेनवंशी (33वें, 50वें मिनट) ने गोल किए, जबकि झारखंड की ओर से पात्रस हासा (26वें), भंगरा ग्लेडशन (43वें) और निकोलस टोपनो (60वें मिनट) ने गोल किए। शूटआउट में झारखंड के रोहित तिकी, जोलेन टोपनो, पात्रस हासा और अंकित एक्का ने अपने प्रयास सफल किए, जबकि गोलकीपर साहू हरियाणा के लिए प्रिंस ने 41वें मिनट में एकमात्र गोल दागा। दिन का सबसे

आवारापन 2’ का ट्रेलर रिलीज

मुंबई। साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म ‘आवारापन’ में इमरान हाशमी ने अपनी अद्विकी से फैस को हैरान किया था। फिल्म की कहानी, गाने आज तक दर्शकों को याद हैं। फिल्म की अलग ही फैन फॉलोइंग है। अब मेकर्स ‘आवारापन 2’ लेकर आए हैं, आज इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज किया गया है। यहां जानिए, कैसा है फिल्म ‘आवारापन 2’ का ट्रेलर?

‘आवारापन 2’ के ट्रेलर में इमरान के अलावा शबाना आजमी ने चौकाया फिल्म ‘आवारापन 2’ का ट्रेलर मोहब्बत के लिए कुछ भी कर गुजरने की कहानी को दिखा रहा है। इमरान हाशमी और दिशा पाटनी के बीच की केमिस्ट्री भी कमाल की है। वहीं ट्रेलर में इमरान हाशमी के एक्शन सीन्स भी हैरान करते हैं। उनके डायलॉग भी दर्शकों को पसंद आएंगे। एक सीन में वह कहते हैं, ‘मौत से मेरा पुराना रिश्ता है, उसका एक कर्ज है, जो चुकाना है।’ ट्रेलर में शबाना आजमी भी हैं, जो नेगेटिव रोल में नजर आ रही हैं। इसके अलावा दिशा पाटनी के भी कई सीन्स इसमें देखने को मिले। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए ट्रेलर का कमेंट सेक्शन मेकर्स ने बंद किया



हुआ है। यह ट्रेलर महज डेढ़ मिनट का है। ट्रेलर में जो फिल्म के सीन्स सामने आए हैं, उससे अंदाज लगाया जा सकता है कि शबाना आजमी और इमरान हाशमी के किरदार के बीच एक रंजीश है। फिल्म में इसका एंगल भी नजर आ रहा है। देखना होगा कि इस कहानी में इमरान का मकसद क्या है? दिशा और उनके किरदार कैसे जुड़ते हैं। साथ ही साथ एक एम प्रेम कहानी को इसमें कैसे दिखाया जाएगा। इन बातों से पर्दा फिल्म रिलीज के बाद ही उठेगा।

फिल्म ‘आवारापन 2’ में इमरान हाशमी, दिशा पाटनी, शबाना आजमी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को नितिन कक्कड़ ने निर्देशित किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी। यह फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म ‘आवारापन’ का सीकवल है।



